www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–265 । सागर, बुधवार, 15 नवम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

झाबुआ और शाजापुर की सभाओं में मोदी ने कांग्रेस को घेरा, कहा-

शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही कांग्रेस, विकास और भाजपा को चुनेंगे लोग

झाबुआ/शाजापुर/इंदौर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही है। प्रदेश के लोग विकास और भाजपा को चुनेंगे। श्री मोदी ने कहा कि झाबुआ के लोगों का गुजरात में आना जाना है। वहां अभी कुछ समय पहले ही चुनाव हुए हैं। आपने देखा होगा कि अंबाजी से लेकर उमरगाम तक पूरे आदिवासी बेल्ट में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने कांग्रेस को नकार दिया है। देश और मध्यप्रदेश की जनता ये जान गई है, एक-एक आदिवासी परिवार यह जान गया है कि कांग्रेस आई-तबाही लाई। कांग्रेस ने हमेशा आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में ही देखा, जबकि डबल इंजन सरकार ने आदिवासी समाज का जीवन बदलने के लिए निरंतर काम किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, झाबुआ में सांसद जी.एस.डामोर और शाजापुर में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने भी सभा को संबोधित किया।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा ने मुफ्त राशन, मुफ्त टीकाकरण, मुक्त इलाज की व्यवस्था की है, जिसका लाभ आदिवासी परिवारों को भी हो रहा है। श्री मोदी ने कहा मध्यप्रदेश की सरकार दाल, तेल और चीनी पर भी रियायत देने जा रही है। उन्होंने कहा कि भाईयों और बहनों मोदी ने आपके लिए एक काम और पक्का कर दिया है। आप झाबुआ से कहीं भी जाएं, आपका जो राशन कार्ड यहां पर बना है, उससे वहां पर भी आपको मुफ्त राशन मिलता रहेगा।

श्री मोदी ने कहा कि बहनें खुद कह रही हैं, पक्का आवास दिया मोदी ने, मुफ्त इलाज दिया मोदी ने, शौचालय बनावाया घर में, नल से जल दिया मोदी ने। बिजली का कनेक्शन, बैंक खाते में पैसे और स्वरोजगार के लिए लाखों रुपये किसने दिये..मोदी ने। खेतों में काम करने वाली माता-बहनों के लिए पेंशन योजना किसने शुरू की?.. मोदी ने। विधानसभा और लोकसभा में बेटियों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की गारंटी किसने पूरी की?....मोदी ने। तो फिर कांग्रेस को वोट क्यों दें?

श्री मोदी ने कहा कि अभी तीन दिन पहले ही पूरे देश ने दीपावली मनाई है। घर-घर दिए जलाए हैं। आपने देखा होगा कि कुछ दीये एक बत्ती वाले होते हैं। वहीं, कुछ दीयों में दो बाती होती हैं। ये एक बत्ती वाले दीये से ज्यादा अंधेरा हटाते हैं, ज्यादा रोशनी देते हैं। ऐसा ही डबल इंजन की सरकार में होता है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर डबल इंजन की ताकत देती हैं, दोगुना फायदा देती हैं। केंद्र की सरकार गर्भवती बहनों को पीएम मातृ वंदना योजना के तहत हजारों रुपए दे रही है, तो प्रदेश की भाजपा सरकार लाडली बहना, लाडली लक्ष्मी योजना में बेटियों, बहनों को आर्थिक ताकत दे रही है। भाजपा सरकार ने संकल्प लिया है, आदिवासी क्षेत्रों में एकलव्य आवासीय विद्यालय खोले जाएंगे। यहां की भाजपा सरकार भी आदिवासी क्षेत्रों में नए स्कूल बना रही है। आदिवासी जिलों में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज खोलने का संकल्प लिया है, जिसे जरूर पूरा किया जाएगा। हमारी गारंटी की ताकत आप गुजरात के दाहोद में जाकर देख सकते हैं, वहां मेडिकल कॉलेज है या नहीं। मोदी है, तो मुमकिन है। श्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने पहले मुफ्त गैस कनेक्शन दिए और अब सिलेंडर 500 रुपये तक सस्ता कर दिया है। एमपी में भाजपा ने बहनों को और अधिक राहत देने का संकल्प लिया है। श्री मोदी ने कहा कि आदिवासी भाईयों को वन उपज का अधिकतम मूल्य मिले इसके लिए केंद्र सरकार 90 से अधिक वन उपज को एमएसपी के दायरे में लाई है। केंद्र सरकार ने ही वन धन योजना शुरू की है। आज आदिवासी परिवारों के लाखों लोगों को इससे रोजगार मिल रहा है। अब एमपी में भाजपा ने संकल्प लिया है कि तेंदू पत्ता की खरीदी 4000 रुपये प्रति मानक बोरा के हिसाब से की जाएगी। भाजपा की केंद्र सरकार ने छोटे किसानों को 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि देना शुरू किया, तो हमारी राज्य सरकार ने भी उसमें 6000 रुपये जोड़ दिये। केंद्र की भाजपा सरकार ने धान और गेहूं के एमएसपी को लागत से डेढ़ गुना किया तो अब एमपी बीजेपी का संकल्प है कि गेहूं 2700 रुपए और धान 3100 रूपए प्रति क्विंटल खरीदा जाएगा।

शाजापुर की जनसभा में श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में है वहां उसका एक ही एजेंडा है- लूट, भ्रष्टाचार और जनता पर अत्याचार। वो बार-बार झूठ बोलकर लोगों को भ्रमित करती है यही उसका तरीका है। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के पास आपको देने के लिए सिर्फ विरोध है, निराशा है और नकारात्मकता है। कांग्रेस स्वभाव से ही तुष्टिकरण, गुंडागर्दी, दंगा-फसाद और भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करती है। न तो कांग्रेस के संगठन में दम है और न ही उसके पास नीयत है।

इंदौर में किया रोड शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की शाम पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में इंदौर में रोड शो किया। बड़ा गणपति से राजबाड़ा तक हुए इस रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सभी सड़कें भगवामय हो गई थीं। कहीं घरों से पुष्प वर्षा करके, तो कहीं मोदी-मोदी के गगनभेदी नारों से प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। श्री मोदी का रोड शो बड़ा गणपति से शुरू हुआ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं अन्य नेताओं के साथ विशेष रूप से सजाई गई गाड़ी पर सवार होकर प्रधानमंत्री ने नागरिकों, पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो के दौरान नागरिकों ने प्रधानमंत्री का आभार जताने के लिए काशी विश्वनाथ, महाकाल महालोक, सर्जिकल स्ट्राइक, धारा 370 और ट्रिपल तलाक से संबंधित बैनर लगाए थे। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अहिल्या प्रतिमा स्थल पर पार्टी के सभी प्रत्याशियों से भेंट की।

विदिशा और खरगापुर की सभाओं में बोले राहुल गांधी

मप्र में कांग्रेस का तूफान आने वाला है, डेढ़ सौ सीटें जीतेंगे

विदिशा/टीगमगढ़, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी का तूफान आने वाला है, हम 150 सीटें जीतेंगे। यह दावा आज अखिल भारतीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा कारण है कि 2018 में अपने कांग्रेस की सरकार चुनी थी और फिर भाजपा के नेताओं ने, नरेंद्र मोदी ने, शिवराज सिंह चौहान ने, अमित शाह ने करोड़ों रुपए देकर विधायकों को खरीद कर आपके साथ धोखा किया। अभा कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज विदिशा और टीकमगढ़ जिले के खरगापुर में आयोजित जनसभा में यह बातें कही। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे ही 2018 की सरकार में किसानों और मजदूरों के लिए काम करना शुरू किया था तो भाजपा ने खरीद-फरोख्त और चोरी करके कांग्रेस पार्टी की सरकार को हड़प लिया।

उन्होंने प्रदेश के किसानों को युवाओं को महिलाओं को और मजदूरों को धोखा दिया। राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की पहली जिम्मेदारी किसानों, महिलाओं, युवाओं और मजदूरों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि सरकार आने पर किसानों का कर्ज माफ करना है। हम गेहूं के लिए 26 सौ रुपए प्रति क्विंटल धान और धान के लिए 25 सौ रुपए प्रति क्विंटल देंगे और बढ़ाकर 3 हजार तक जाएगा, महिलाओं को 15 सौ रुपए महीने हर महिला को उसके खाते में जाएगा और बेटी के पैदा होने पर ढाई लाख रुपए देंगे। कांग्रेस की जब सरकार आई थी तो हमने 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया था। कांग्रेस सरकार ने 7 हजार करोड़ रुपए का बुंदेलखंड पैकेज दिया था, बुंदेलखंड के विकास के लिए, मजदूरों के लिए, किसानों के लिए लेकिन भाजपा की सरकार ने उसे चोरी करने का काम किया, उसमें भ्रष्टाचार किया।

राहुल ने कहा कि भाजपा की सरकार गरीबों से पैसा छीनती है और अपने उद्योगपति मित्रों को देती है। कांग्रेस की सरकार में हमनें मध्यप्रदेश में पिछली बार किसानों का कर्ज माफ किया था, इस बार फिर से हम कर्ज माफ करेंगे। बुंदेलखंड में मछुआरों को यहां के तालाबों की मछलियों पर अधिकार कांग्रेस सरकार देगी। श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का काम किसान और आदिवासियों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर हम स्कूल की शिक्षा के लिए बच्चों को 5 सौ रुपए से लेकर 15 सौ रुपए तक की स्कॉलरशिप देने का काम करेंगे। हम जातिगत जनगणना का काम भी करेंगे।

राहुल ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र के वीडियो वायरल होने की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन वीडियोज में सैकड़ों करोड़ रुपयों के लेनदेन की बात हो रही है। ये जनता का पैसा है और इसे नेता अपनी तिजोरियों में भर रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं का निशाने पर लेते हुए कहा कि इस मामले में ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी एजेंसियां क्यों कार्रवाई नहीं कर रही हैं।

भ्रष्टाचार पर भाजपा को घेरा

भ्रष्टाचार पर राहुल ने कहा कि यहां पर बच्चों को जो स्कूल में खाना दिया जाता है, उसमें भी बड़ी लूट हुई है। मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य है, जहां मरे हुए लोगों का इलाज होता है। यहां का सबसे बड़ा घोटाला व्यापमं घोटाला है, जिसमें शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने एक करोड़ युवाओं को नुकसान पहुंचाने का काम किया। इन्होंने पटवारी परीक्षा की सीटें बेचने का काम किया लेकिन कोई जांच नहीं की गई।

ईद दीवाली मिलन एकता का 52 वां वार्षिक समारोह संपन्न

सागर, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्तर का ईद दिवाली मिलन कौमी एकता समारोह सुनील भाई पटेल, कपिल मलैया व शैलेश केशरवानी के विशिष्ट आतिथ्य में गत दिवस तिलक गंज में हरगोविंद विश्व एवं डॉ. गजाधर सागर के निवास पर संपन्न हुआ। अतिथियों का स्वागत डॉ. गजाधर सागर, सुबोध सागर, सुनील सागर, डॉ. सुशील सागर ने किया। अतिथिगणों व उपस्थित कवि शायरों ने 52 दीपों का प्रज्वलन किया व सामूहिक आतिशबाजी का आनंद लिया। समारोह के प्रतीक चिन्हों का पूजन विधिवत किया गया। वाणी वंदना पूरण सिंह राजपूत व नात, पाक शफीक अनवर ने प्रस्तुत की। समारोह के मूल उद्देश्य में ईद मिलन रस्म की अदा की गई। इस अवसर पर वात्सल्य स्कूल की प्राचार्य अलका श्रीवास्तव का सम्मान निरंजना जैन, प्रमिला सागर, नीलू सागर, अम्बिका सागर, नेहा दुबे और वंदना गुप्ता ने सामूहिक रूप से किया। बुन्देली फिल्म निर्माता राजेश मनवानी एवं वरिष्ठ शाइर जनाव असगर पयाम का भाव भीना सम्मान किया गया। शहर की एकता समिति के रसीद भाई, चम्पक भाई एवं सदस्यों ने हरगोविंद विश्व एवं डॉ. गजाधर सागर का 52 वर्ष के निरंतरता वाले इस आयोजन पर सम्मान किया। द्वितीय चरण में टीकाराम त्रिपाठी रूद्र की अध्यक्षता एवं उन्हीं के संचालन में सरस कवि सम्मेलन एवं मुशायरा संपन्न हुआ। कनिका सागर ने एक सरस सुंदर रचना प्रस्तुत की। महाकाल की नगरी उज्जैन से पधारे अतिथि शायर रफीक नागौरी ने राष्ट्रीय स्तर की रचनाएं प्रस्तुत कर वाह वाही लूटी। नगर के कवि शायरों में जनाव पयाम भाई, शफीक अनवर, डॉ. वंदना गुप्ता, केएल तिवारी अलबेला, पीआर मलैया, मनी देव ठाकुर, पुष्पेंद्र दुबे, पूरण सिंह राजपूत, नम्रता फुसकेले, मुकेश तिवारी, पैट्रिस फुसकेले, नईम माहिर, अबरार अहमद, ऋषभ समैया जलज, अरुण दुबे, महेश दत्त त्रिपाठी, सिराज सगरी, नलिन जैन, अमित आठ्या, डॉ. अनिल जैन, निरंजना जैन, क्रांति जबलपुरी, बीपी उपाध्याय आदि ने रचनाये प्रस्तुत की। इस अवसर पर शहर के गणमान्य जनों में पप्पू तिवारी, डॉ. महेंद्र तिवारी, देवकी नंदन सकवार, पं. राजेश तिवारी, डॉ. रामानुज गुप्ता, सुनील राय, गोविंद सरवैया, मनुज नामदेव, डॉ. सुमित रावत विशेष रूप से उपस्थित थे। अंत में डॉ. गजाधर ने सभी का आभार माना एवं अगले वर्ष के लिए पधारने का आमंत्रण दिया।

कांग्रेस प्रत्याशी और नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि की पुलिस अधीक्षक से शिकायत

सागर, देशबन्धु। सुरखी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा के खिलाफ राहतगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने न केवल अपनी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, बल्कि सैंकड़ों लोगों के साथ मिलकर घर जला देने की लिखित शिकायत भी पुलिस अधीक्षक से की हैं। पीड़ित और उसकी पत्नी नीरज शर्मा, नरेंद्र उर्फ गोलू राय, काशीराम पटेल, हर्ष राय के द्वारा किये गए अत्याचार और गुंडागर्दी की शिकायत कर न्याय की मांग करते हुए कार्यवाही करने की मांग अधिकारियों से की। मंगलवार को राहतगढ़ के गांव बहादुरपुर निवासी गजराज पिता गोवर्धन कुशवाहा ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपा। गजराज ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि बहादुरपुर में उसकी खसरा नंबर 176 और 175 रकबा की जमीन है। जिसकी डिग्री और रिकॉर्डनामा भी उसके पास है। जिसका कोई भी बंटवारा नहीं हुआ। जमीन हमारी है, हालांकि कोर्ट में इसका केस भी चल रहा है। जुलाई 2014 में कोर्ट की डिग्री हुई थी, जिसके बाद जमीन पर यथास्थिति को बनाये रखने के आदेश दिए गए। फिर भी नीरज शर्मा और नरेंद्र उर्फ गोलू राय व अन्य ने कोर्ट की अवहेलना करते हुए जमीन पर नापने के लिए पहुंच गए। जब इसका विरोध करते हुए इसकी शिकायत की तो घर पर आग लगा दी। मैं और मेरी पत्नी जैसे तैसे जान बचाकर वहां से भाग निकलें। इस मामले की शिकायत थाने में की तो थाने में भी शिकायत नहीं हुई। हमें वहां से भगा दिया गया। गजराज ने बताया कि उनका बड़ा भाई दहशत के चलते गांव को छोड़ चुका है। वे भी इन लोगों को दहशत में जीवन बिता रहे हैं। जमीन होने के बाद भी वे बेघर हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से इस मामले में कार्यवाही करने और सुरक्षा दिलाने की मांग की है।

सागर, देशबन्धु। मंगलवार को वृंदावन धाम से पधारे आशीष शास्त्री महाराज के सानिध्य में पुरव्याऊ पुलिस लाइन स्थित हनुमान मंदिर पर झंडा चढ़ाया गया। इस दौरान मंदिर के पुजारी अमन, शिवांश दुबे, शिब्बू नामदेव, मनीष नामदेव, पंकज सेन सहित सभी वार्डवासी मौजूद रहे।

भारतीय क्रिकेटर उमेश यादव मालथौन में पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

मालथौन, देशबन्धु। मालथौन में सनसिटी क्रिकेट क्लब द्वारा एम सी सी स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट टूनामेंट के फायनल मुकाबले मैच में भारतीय टीम के क्रिकेटर उमेश यादव व मंत्री पुत्र अबिराज सिंह शामिल हुए। उन्होंने टूनामेंट की विजेता मालथौन और उपविजेता बांदरी टीम को ट्राफी व पुरुस्कार वितरण किए। इसके पहले आयोजक द्वारा सेलेब्रिटी भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर उमेश यादव का स्वागत किया उन्होनें मैदान का भृमण कर दर्शकों का अभिवादन किया। मालथौन की टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। बांदरी नगर की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 65 रनों का यंगस्टार मालथौन को लक्ष्य दिया जिसे मालथौन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच के मैन आफ द मैच समीर खान रहे। इस टूर्नामेंट में मैन ऑफ सीरिज पुष्पेंद्र परिहार, बेस्ट बल्लेबाज इरशाद खान, बेस्ट बॉलर पीएस बुंदेला रहे।

जैन दर्शनानुसार कार्तिक शुक्ल एकम से शुरू हुआ नव वर्षः मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। जिस मानव के अंदर नित्य नया उत्साह हो, हर पल कठिन से कठिन चुनौती स्वीकार्य हो, नित्य नई-नई ऊर्जा हो, हर क्षण आनंद हो और मन में सुख चैन हो उसके जीवन में नित्य नया वर्ष है यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन दर्शन के अनुसार नव वर्ष प्रारंभ होने के शुभ अवसर पर कही, उन्होंने कहा की उपलब्ध कैलेंडर में सबसे प्राचीन कैलेंडर जैन धर्म का है क्योंकि ईसवी 2023 विक्रम संवत 2080 हिजरी 1445 और शाके संवत 1945 है। जैन धर्म का वीर निर्वाण संवत 2550 कार्तिक शुक्ल एकम से प्रारंभ हो गया है जो की सभी संवतों में प्राचीन है। आज हम अपनी पुरानी भारतीय तिथि, मास, वर्ष को भूलते जा रहे हैं। अभी कई लोगों को तिथि और मास के बारे में मालूम ही नहीं है, अपनी संस्कृति को भूले नहीं। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा नए लोग धर्म, अध्यात्म, संस्कृति को भूलते जा रहे हैं और दूर होते जा रहे हैं हमें नव वर्ष निर्माण संवत 2550 का प्रचार प्रचार करना चाहिए, लोगों को इसके बारे में जानकारी देना चाहिए, नववर्ष का स्वागत और एक दूसरे को बधाई भी देनी चाहिए। पाठशाला संचालिका माया एवं सीमा जैन ने बताया कि ज्ञान सागर संस्कार पाठशाला, अंकुर कॉलोनी के बच्चों ने नव वर्ष पर बधाई कार्ड भी बनाए एवं एक दूसरे को बधाइयां भी दी।

जिले के 2118 में से 1061 मतदान केन्द्रों की होगी वेबकास्टिंग

58 आदर्श, 227 महिला मतदान केन्द्र स्थापित होंगे

सागर, देशबन्धु। जिले में 17 नवबंर को 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन की तैयारिया निरंतर जारी है। जिला कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा जिले के सभी 2118 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं को सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश पूर्व में ही दिये जा चुके है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में सतत समीक्षा की जा रही है। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किये गए है। जिले में 2118 मतदान केन्द्रों में से 1061 मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग की जाएगी। इनमें 601 क्रिटिकल मतदान केन्द्र भी शामिल है। इसके अलावा 11 वल्नरेबल मतदान केन्द्र भी है। जिले में सामान्य मतदान केन्द्रों की संख्या 1517 है। मिश्रित मतदान केन्द्र 468 है। निर्वाचन मतदान के सुचारू संचालन के लिए 58 सेक्टर मजिस्ट्रेट को नियुक्ति किया गया है। इसी तरह 192 सेक्टर ऑफीसर की तैनाती की गई है। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 58 आदर्श मतदान केन्द्र भी स्थापित किये गये है, जहां आकर्षक साज सज्जा की जा रही है। इनमें बीना, खुरई, सुरखी, देवरी, रहली बंडा में 5-5 नरयावली में 13 और सागर में 15 आदर्श मतदान केन्द्र रहेंगे। इसी प्रकार 227 वूमेन्स पोंलिग स्टेशन भी स्थापित किये गये है। जिनमें नरयावली सागर में 50-50 खुरई में 40, रहली में 26, बीना बंडा में 20-20, देवरी में 11 और सुरखी में 10 वूमेंस मतदान केन्द्र शामिल है। जिले के 208 मतदान केन्द्रों में माइक्रो आब्जर्वर की तैनाती भी की गई है। उल्लेखनीय है कि 17 नवबंर को होने वाले मतदान में जिले के 17,82,725 मतदाता मतदान करेंगे। जिनमें 9,37,328 पुरूष, 8,45,365 महिला तथा 32 अन्य मतदाता शामिल है। सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बंडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में है। जहां 2,48,128 मतदाता मतदान करेंगे।

कलेक्टर ने लिया मतदान दलों के मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी की व्यवस्थाओं का जायजा

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के दौरान मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण एवं मतदान पश्चात मतदान दलों के मतदान सामग्री की वापसी का कार्य शासकीय इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय में किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने विधानसभा निर्वाचन 2023 की सामग्री वितरण एवं जमा स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान सामग्री की पृथक-पृथक व्यवस्था करने, मतदान दलों को लेकर जाने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने, स्ट्रांग रूम से वितरण स्थल तक सामग्री पहुंचाने हेतु दलों का आदि के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मतदान दल में जाने वाले दलों के सदस्य, यदि वाहन लेकर आते हैं तो उनके पार्किंग की पृथक व्यवस्था होगी। मतदान के एक दिन पूर्व एवं मतदान के पश्चात वापस आने वाले दलों को सामग्री वापसी में जमा करने के लिए किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके लिए काउंटर बनाये जाये। विधानसभावार मतदानदलों के आने एवं जाने का मार्ग है। पेयजल व्यवस्था एवं पर्याप्त लाइटिंग के इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिए।

बिना लाइन में लगे वोट डाल सकेंगे दिव्यांग मतदाता

सागर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक दिव्यांग मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें इसके लिए जिले में विशेष व्यवस्थायें की गई हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केन्द्र में जहां रैम्प बनाये गये हैं, वहीं चिन्हित मतदान केन्द्रों पर व्हीलचेयर अथवा ट्राइसाइकिल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही प्रत्येक मतदान केन्द्र पर दिव्यांग मतदाताओं की सहायता के लिए स्थानीय स्वयंसेवी युवाओं को दिव्यांग मित्र नियुक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए उन्हें विशेष छूट देते हुए तीन पहिया वाहन सीधे मतदान कक्ष से तक जाने की अनुमति दी जायेगी। दिव्यांग मतदाताओं को बिना कतार में लगे सीधे मतदान करने की अनुमति भी होगी। ऐसे मतदान केन्द्रों पर जहां मूक बधिर मतदाताओं की संख्या अधिक है वहां सांकेतिक भाषा के विशेषज्ञों को नियुक्त किया जायेगा। जबकि ऐसे मतदान केन्द्र जहां नेत्रहीन मतदाताओं की संख्या अधिक है वहां ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों के बारे में मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई जायेगी। ऐसे मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं की सहायता के लिए ब्रोललिपि में डमी बैलेट पेपर भी रखे जायेंगे। नेत्रहीन मतदाताओं को मतदान में सहायता के लिए सहायक रखने की अनुमति भी होगी। इसके साथ ही ईव्हीएम मशीनों की बैलेट यूनिट में ब्रोललिपि में दर्ज उम्मीदवार के क्रमांक की सहायता से भी नेत्रहीन मतदाता वोट डाल सकेंगे।

गर्भवती महिलाएं और बुजुर्ग मतदाता भी डाल सकेंगे बिना लाइन में लगे वोट

जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि दिव्यांग मतदाताओं के अलावा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुजुर्ग मतदाताओं और गर्भवती महिला मतदाताओं के लिए भी विशेष व्यवस्थायें की गई हैं। ऐसे मतदाता भी बिना लाइन में लगे सीधे मतदान कर सकेंगे।

राजस्थान मिष्ठान भंडार का किया औचक निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने दमोह शहर में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए खोवा के नमूनें जांच हेतु लिए हैं। कार्यवाही में दमोह के कचौरा शॉपिंग सेंटर के सामने सत्कार लॉज के पास स्थित श्री राजस्थान मिष्ठान भंडार का औचक निरीक्षण किया। मौके पर मिठाईयों के निर्माण में उपयोग होने वाले खोवा का नमूना जांच हेतु लिया। उक्त मिठाई दुकान में फूड लाइसेंस की प्रति परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित पाई गई। परिसर में फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगा हुआ पाया गया। मौके पर फोस्कोरिस एप्प की सहायता से ऑनलाइन निरीक्षण किया। उक्त मिठाई दुकान से दुर्गंध युक्त खोवा विक्रय करने की सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज हुई थी। उक्त खोवा के नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

डे.केयर सेंटर का स्थापना दिवस, बाल मेले का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विश्वविद्यालय के डे-केयर सेंटर के प्रथम स्थापना दिवस 14 नवंबर, बाल दिवस के मौके पर आयोजित बाल मेले का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। आयोजन की प्रशंसा करते हुए कुलपति ने सेंटर में आवश्यक सुविधाएं विकसित करने हेतु आश्वासन दिया। नोडल अधिकारी प्रो. वर्षा शर्मा ने मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो. गुप्ता का स्वागत किया और एक साल की गतिविधियों का ब्यौरा पेश किया। डॉ. रश्मि सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सुषमा यादव ने स्वागत भाषण दिया। केम्पस के बच्चों ने खाने-पीने एवं खेल कूद के स्टाल लगाए। इस अवसर पर बच्चों की रस्सी कूद, नीबू रेस, स्लो.साइक्लिंग आदि खेल स्पर्धाएं संपन्न हुईं। प्रतिभागी बच्चों को पुरुष्कृत किया गया। प्राक्टर प्रो. चंदा बेन, सुरक्षा अधिकारी डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. आशुतोष, मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. नीरज उपाध्यायए, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. पंकज, डॉ. दीपाली जाट, डॉ. पुंताम्बेकर, उपेन्द्र पण्ड्या, कपिल साहू, धनराज ध्रुवे सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने मेले का आनंद उठाया। डॉ. पूनम डहेरिया ने अतिथितियों प्रतिभागियों व उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उमेश रैंकवार, नीतू पटेल ने आयोजन को सफलता प्रदान करने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

दिव्यांगजनों ने निकाली मतदान जागरूकता रैली

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी पीसी शर्मा की उपस्थिति में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में दिव्यांगजनों की एक रैली के द्वारा मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पीसी शर्मा ने बताया की दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा है जिस तरह हम मतदान करते हैं। ठीक उसी तरह दिव्यांगजन भी आयोग द्वारा प्रदात्त विशेष सुविधाओं जैसे रैंप, व्हीलचेयर एवं लाइन में न लगने की सुविधा के साथ अपने साथी की सहायता से मतदान करते हैं। दिव्यांगजनों द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है कि जब हम अपनी शारीरिक कठिनाई के बावजूद भी मतदान करते हैं तो आप भी अनिवार्य रूप से मतदान करें। जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. अमर कुमार जैन ने कार्यक्रम का समन्वय करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण अद्भुत व्यवस्था यह है कि वह जाति, वर्ण, वर्ग दिव्यांगजन में भेदभाव किए बिना सभी को सामान मतदान का अधिकार प्रदान करती है। दिव्यांगजनों ने उत्साह के साथ मतदान संबंधी नारे लगाए। कला कथक की टीम के द्वारा करना मतदान कभी न भुलाइए बात मेरी मान जाइए। गीत का गायन कर सभी का मन मोह लिया।

मतदान के दिन केवल तीन वाहनों के उपयोग की अनुमति ही होगी उम्मीदवारों को

सागर, देशबन्धु। विधानसभा का चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार मतदान के दिन केवल तीन वाहन का ही उपयोग कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वाहनों के दुरूपयोग को रोकने निर्वाचन अपराधों को नियंत्रित करने और मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक वाहनों से लाने ले जाने पर रोक लगाने के लिए जारी निर्देशों में कहा गया है विधानसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्येक उम्मीदवार को मतदान के दिन संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के दो, तीन या चार पहिया वाहनों में से केवल तीन वाहनों के उपयोग की अनुमति ही होगी। आयोग ने कहा है कि इसमें से एक वाहन का उपयोग उम्मीदवार खुद अपने लिए कर सकेगा जबकि दूसरे वाहन का उपयोग उसके निर्वाचन अभिकर्त्ता और तीसरे वाहन का उपयोग कार्यकर्त्ताओं के लिए किया जा सकेगा। तीन से अधिक वाहनों के संचालन की स्थिति में इसे भ्रष्ट आचरण माना जायेगा व निर्वाचन नियमों के तहत दोषी उम्मीदवार के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। उम्मीदवारों को मतदान के दिन खुद के लिए, निर्वाचन अभिकर्ता के लिए और कार्यकर्त्ताओं के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले तीनों वाहनों के लिए अग्रिम रूप से संबंधित रिटर्निंग अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी से अनुज्ञा पत्र प्राप्त कर लेनी चाहिए। उम्मीदवारों को प्राप्त अनुज्ञा पत्र को वाहनों के विण्ड स्क्रीन पर चिपकाने के निर्देश दिये हैं। आयोग ने कहा कि इन अनुमति प्राप्त वाहनों में ड्राइवर सहित पांच से अधिक व्यक्ति सवार नहीं हो सकेंगे। इसी तरह उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेन्ट की अनुपस्थिति में इन वाहनों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

भव्य पिच्छी परिवर्तन समारोह का आयोजन

केसली, देशबन्धु। पिच्छी परिवर्तन समारोह आचार्य श्री विद्यासागर के शिष्य मुनि श्री आर्जव सागर के शिष्य मुनि श्री विशोधसागर, विभोरसागर पिच्छी परिवर्तन समारोह में जैन धार्मिक के संस्कृत कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसमें पिछी लेने का सौभाग्य सिंघाई वीरेंद्र जैन को प्राप्त हुआ छोटे मुनिश्री की पिच्छी अर्जित करने का सौभाग्य विमल बजाज को प्राप्त हुआ जिसमें सकाल दिगम्बर जैन समाज केसली मुनिश्री का आर्शीवाद लेने का सौभाग्य हर्ष यादव की पत्नी अंजना यादव को प्राप्त हुआ। जैतपुर, पठा, केवलारी, नन्ही देवरी, सीहोरा, सहजपुर, तेदूडाबर, गौरझामर, टडा जैन समाज सम्मिलित रहे। जैन समाज अध्यक्ष अनिल सिंघई, जनपद अध्यक्ष अतुल डेवडिया, विमल डेवडिया, निर्मल सिंघाई आदि सहित सकल जैन समाज उपस्थित रही।

तीन सौ से ज्यादा अध्यनरत छात्राओं ने कैरियर काउंसलिंग में लिया हिस्सा

पेन पेंसिल की तरह माइंड पावर को बड़ा और अपने लक्ष्य पर फोकस करें: मुनिश्री

शाहगढ़, देशबन्धु। मंगलवार को नगर के जिनालय में मुनिश्री विरंजन सागर के सानिध्य में सागर संभाग स्तर से उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत छात्राओं को अपने कैरियर को संभारने और अपने लक्ष्य पूर्ति कैसे करें इस संबंध में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ। सुबह से विद्यासागर आरती संघ द्वारा जैन धर्मशाला में दीपावली मिलन समारोह हुआ। मुनिश्री की आहार चर्या का सोभाग्य पत्रकार प्रकाश अदावन को मिला। दोपहर में आयोजित कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को संबोधित करते हुए जनसंत मुनि श्री विरंजन सागर ने कहा कि सबसे पहले प्रेरणा की दृष्टि से असफलता और कुछ नहीं बल्कि एक प्रयास है जो एक नई कार्यप्रणाली का प्रयोग और सीखने का आपका साहस दर्शाता है, जो काम करने का सही तरीका नहीं है और जिसके परिणामस्वरूप विफलता हो सकती है, पेन पेंसिल की तरह माइंड पावर को बड़ा और अपने लश्य पर फोकस करें जब हम अनुमान लगाते हैं कि हमारे पास कम गलतियां होने की संभावना है, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं, हम अपनी ताकत पर भरोसा करते हैं, हम जीवन के नकारात्मक गुणों से दूर रहते हैं। इस प्रकार यह हमारी सफलता की भलाई देता है। अपनी ताकत को पहचाने, असफलता से हमे हताश नहीं होना चाहिए अपनी कमजोरी को दुर करना चाहिए इसी से हमे सफल होने का अनुभव मिलेगा।

सार समाचार

पुलिस और सीआईएसएफ बल ने ग्राम देवरी, देवपुर, मझगुवाघाटी में किया फ्लैग मार्च

छतरपुर, देशबन्धु। विधान सभा चुनाव को देखते हुए बक्सवाहा अंचल के की गांवों में पुलिस और सीआईएसएफ बल ने फ्लैग मार्च किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन और बड़ामलहरा एसडीओपी वीरेंद्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में यह फ्लैग मार्च निकाला गया। इसमें थाना प्रभारी बक्सवाहा क्रपाल मार्को के साथ उप निरीक्षक राज कपूर सिंह बघेल थाना बक्सवाहा, उप निरीक्षक सविता रजक चौकी प्रभारी बम्होरी, सीआईएसएफ कंपनी कमांडर अजय कुमार ओझा बल सहित निकले। यह फ्लैग मार्च ग्राम देवरी, देवपुर, मझगवां घाटी मे किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान मतदान केंद्र एवं क्षेत्र का भ्रमण करते हुये अधिकारियो द्वारा आम जनता से संवाद करके चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने के बारे में कहा गया। लोगों से भयमुक्त होकर मतदान करने एवं पर्व मनाने की अपील की गई। साथ ही लोगो से यह भी कहा गया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अचार संहिता का उल्लंघन किया जाता है या किसी को डराया धमकाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को दें ।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने प्रयास तेज, केंद्रों पर रहेंगे खास इंतेजाम

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। वहीं मतदान केंद्रों पर बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के लिए खास इंतेजाम किये गए है। इन दिनो विभिन्न माध्यमों और कार्यक्रमो से मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। प्रशासन की टीमें कही नुक्कड़ नाटक तो कही बृक्षारोपण तो कही खुद जाकर ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील कर रही हैं । जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर संदीप जीआर ने बताया कि इस बार मतदाताओं का विशेष ख्याल रखा गया है। जगह जगह पानी और छाया और बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर संदीप जीआर ने बताया कि इस बार ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए खास व्यवस्था की गई है। जो भी प्रथम मतदाता ओर बुजुर्ग मतदाता सबसे पहले मतदान करेगा उसको सम्मानित किया जाएगा। हर बूथ का रिकॉर्ड रखा जाएगा इसके अलावा जो भी सबसे अच्छा मतदान केंद्र होगा उसको भी सम्मानित किया जायेगा

भाजपा-कांग्रेस जैसे परंपरागत विरोधी दलों के बीच हर बार तीसरी पार्टी का दखल

●संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। प्रदेश की तरह छतरपुर जिले की सियासी जमीन पर मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस पार्टी जैसे परंपरागत विरोधी दलों के बीच बराबर का मुकाबला रहा है। पिछले कई सालों के आंकड़े देखें तो हर बार के चुनाव में ऐसा मौका कभी नहीं आया जब जिले की सभी विधानसभा सीटों पर एक ही दल का झंडा लहराया हो, अलबत्ता हर बार तीसरी पार्टी का दखल जरूर रहा है।

वर्ष 2003 से लेकर अभी तक ऐसा एक बार भी नहीं हुआ जब छतरपुर जिले की कुल 6 विधानसभा सीटों में से 6 सीटों पर किसी एक ही पार्टी का कब्जा रहा हो। इस बार के विधानसभा चुनाव में जिले में भाजपा के लिए चुनोतियाँ ज्यादा कम नहीं हैं।

दरअसल खजुराहो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का संसदीय क्षेत्र है। इस कारण अध्यक्ष के सामने राजनगर से कांग्रेस के विधायक विक्रम सिंह नाती राजा के मजबूत किले को तोड़कर भाजपा की साख बचाने की चुनौती सबसे बडी है। साथ ही इस बार भाजपा के सामने ये भी बड़ा लक्ष्य है कि जिले की सभी 6 सीटों पर अपने प्रत्याशी जिताकर भगवां लहरा पाए। इस चुनाव में जहां भाजपा के सामने एंटीइनकंबेंसी का खतरा सबसे बड़ा है। वहीं वर्ष 2018 की जीत से उत्साहित कांग्रेस वही कामयाबी दोबारा दोहराने के लिए पूरा जोर लगाने में कसर नहीं छोड रही है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव मजबूत रणनीति के साथ मुकाबले को रोचक बना रहे हैं। वहीं बहुजन समाज पार्टी भी पूरा जोर लगाकर कई सीटों पर मुकाबले को रोचक बना रही है।

वर्ष 2018 में सपा और कांग्रेस का जादू चला

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में जिले की 6 सीटों पर सपा और कांग्रेस का जादू चला था। तब यहां से सपा ने एक और कांग्रेस ने 4 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा को केवल राजेश प्रजापति के रूप में केवल चंदला सीट ही मिल पाई थी। हालांकि बाद में हालात बदल गए। दलबदल के बाद बडामलहारा सीट से कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए प्रद्युम्न सिंह लोधी ने भाजपा के टिकट से चुनाव लड़कर कांग्रेस की रामसिया भारती को 17 हजार मतों से हराया। जिससे भाजपा के खाते में दो सीटें आ गईं। मत विभाजन का सबसे ज्यादा फायदा बिजावर में सपा के राजेश शुक्ला को 67623 मतों से जीत के रूप् में मिला, उन्होंने भाजपा के पुष्पेन्द्र नाथ पाठक को हराया था। बाद में राजेश शुक्ला ने भाजपा की सदस्यता ले ली। इस तरह भाजपा के खाते में बिजावर सीट भी जुड जाने से तीन सीटें हो गईं। छतरपुर से आलोक चतुर्वेदी, महाराजपुर से नीरज दीक्षित और राजनगर से कांग्रेस के विक्रम सिंह नाती राजा की तीन सीटें कांग्रेस के पास बनी रही।

वर्ष 2013 के चुनाव में 5 सीटें भाजपा को मिलीं

वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में छतरपुर की 6 सीटों में से 5 पर भाजपा ने कब्जा किया। भाजपा के लिए महाराजपुर से मानवेंद्र सिंह, चंदला से आरडी प्रजापति, छतरपुर से ललिता यादव, बिजावर से पुष्पेन्द्र नाथ पाठक और बड़ामलहरा से रेखा यादव ने जीत हासिल की थी। इस चुनाव में भाजपा को महाराजपुर सीट पर कांग्रेस के बजाय बहुजन समाज पार्टी ने कड़ी टक्कर दी थी। राजनगर सीट से विक्रम सिंह की किलेबंदी को कोई नहीं तोड़ पाया, उनके जरिये कांग्रेस को एक सीट मिल पाई थी।

वर्ष 2008 में जनशक्ति ने एक, कांग्रेस ने जीती दो सीटें

वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से बगावत करके पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भारतीय जनशक्ति पार्टी के रूप में नया दल बनाकर भाजपा को चुनौती देने के मंसूबे से चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में जनशक्ति पार्टी ने कांग्रेस के खाते से बड़ामलहरा सीट छीन कर जिले में नये दल का खाता खोला था। चंदला सीट पर कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। बाकी सीटों पर कांग्रेस ने काफी ज्यादा मत काटे, मगर केवल दो सीटों पर कामयाबी पाई और सिर्फ दो सीटों पर ही विरोधी दलों को कड़ी टक्कर देने में सक्षम रही।

वर्ष 2003 में कांग्रेस का खाता ही नहीं खुला

वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में जिले में केवल 4 विधानसभा सीटें ही हुआ करती थीं। राजनगर और मलहरा सीटें परिसीमन के बाद अस्तित्व में आईं। हालांकि परिसीमन के पहले यहां कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं था। पार्टी केवल 2 सीटों पर ही मुख्य प्रतिद्वंदी बनी थी। जबकि इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के खाते में जिले की चंदला सीट पर विजय बहादुर सिंह और छतरपुर सीट पर विक्रम सिंह नातीराजा के जरिये कामयाबी मिली थी। ये सपा के लिए जिले में अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा सकती है।

देश-प्रदेश के लिये कांग्रेस एक समस्या है, इससे मुक्ति जरूरी : योगी आदित्यनाथ

छतरपुर, देशबन्धु। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जिले के चंदला विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी दिलीप अहिरवार और राजनगर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अरविंद पटैरिया के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश-प्रदेश के लिये कांग्रेस एक समस्या और बोझा है, इससे मुक्ति के लिये चुनाव सबसे अच्छा मौका है। योगी आदित्यनाथ ने कहा भारत को लेकर अब दुनिया का नजरिया तेजी से बदल रहा है। जहां कहीं भी संकट होता है, दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाह से देखती है। 2014 के पहले दुनिया में भारत का सम्मान नहीं था, दुनिया हमें महत्व नहीं देती थी। अब भारत तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। उन्होंने कहा पहले दुश्मन, देश के लददाख, कश्मीर, करगिल, अरूणाचल प्रदेश में घुसपैठ करते थे। मगर अब दुस्साहस नहीं कर पाते हैं। आतंकवाद की धरती पर जाकर उसको सबक सिखाने वाला आपका हिंदुस्तान ही है।

उन्होंने देश में भाजपा सरकार द्वारा कराए गए विकास को गिनाते हुए कहा आज हाइवे का विस्तार तेजी से हो रहा है। एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, बडे-बडे नेशनल और इंटरनेशनल स्टेडियम बन रहे हैं। एम्स, आईआईएम, आईटीआई और हर जिले में मेडीकल कालेज बन रहे हैं। बडी बडी योजनाओं को मूर्तरूप देकर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार किये जा रहे हैं। धर्मस्थलों का विकास किया जा रहा है। राम मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। क्या ये काम कांग्रेस सरकार कर पाई, नहीं कर पाई। जो हमारी आस्था का सम्मान नहीं कर सके, विकास पर ब्रेक लगाये रहे आखिर हम उस कांग्रेस को क्यों चुनें। उन्होंने कहा एक समय कांग्रेसी केवल हमारी आस्था पर कटाक्ष करते थे, कहते थे कि हम सिर्फ राम के नाम का उपयोग करते हैं। भाजपा ने कहा था कि रामलला अब आयेंगे, गुलामी का ढांचा भी हटायेंगे, मंदिर वहीं बनायेंगे। यही कांग्रेसी कहा करते थे कि मंदिर बनायेंगे पर तिथि नहीं बतायेंगे। भाई अब तो मंदिर भी बन गया और 22 जनवरी को रामलला भी विराजने वाले हैं।

योगी आदित्यानाथ ने कहा कि 20 साल पहले शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने बीमारू राज्य की कमान संभाली और इसे विकसित राज्य की श्रेणी में लाकर खडा कर दिया है। ये सब बदलाव डबल इंजन की सरकार के कारण आया है। इसलिये लोगों की आस्था का आदर करने वाली, विकास कराने वाली और लोगो को भयमुक्त वातावरण देने वाली भाजपा को जिताना है। हर तरफ कमल ही खिलाना है।

सपा प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर लोगों से मांगा आशीर्वाद

आप आशीर्वाद दें, मैं वादा करता हूं कि आप निराश नहीं होंगे

छतरपुर, देशबन्ध। भाजपा और कांग्रेस दोनों का शासनकाल आप देख चुके हैं, दोनों ही पार्टियों ने हमारे क्षेत्र के लिए कुछ नही किया, इसलिए इस बार अपने बेटे को अवसर दें, मैं वादा करता हूं कि आप निराश नहीं होंगे, यह बात मंगलवार को महाराजपुर विधानसभा में जनसंपर्क के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी ने जनसमूह से संवाद के दौरान कही। मंगलवार को भाई दूज का पर्व होने के कारण ग्रामीण अंचलों में कई महिलाओं ने अजय दौलत तिवारी का तिलक करते हुए उन्हें जीत का आशीर्वाद भी दिया।

उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र की जनता ने तय कर लिया है कि इस बार महाराजपुर में साईकिल का चलना तय है। हम विधानसभा क्षेत्र के हर घर तक जा रहे हैं और यहां आपसे मिलना वाला आशीर्वाद ही हमारा जीत सुनिश्चित करेगा। श्री तिवारी ने कहा कि लंबे समय से हमारी विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीति चल रही है। हम कभी भाजपा पर विश्वास करते हैं तो कभी कांग्रेस पर लेकिन अब हमारे पास समाजवादी पार्टी के रूप में तीसरा विकल्प है, क्योंकि दोनों ही पार्टी के नेताओं ने यहां की जनता के साथ छल और शोषण के अतिरिक्त कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस बार महाराजपुर विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस का साफ होना तय है कि क्योंकि आपके पास बेटे के रूप में बेहतर विकल्प मौजूद है।

आरोपी को गिरफ्तार करने से बच रही पुलिस

आपराधिक मामले में फरार आरोपी बिजावर सीट से लड़ रहा चुनाव

छतरपुर, देशबन्धु। जिले की बिजावर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे चरन सिंह पर उत्तरप्रदेश में कई मामले दर्ज हैं। कई ऐसे भी मामले हैं जिनमें चरन सिंह फरार चल रहे है। ऐसा ही एक मामला जमीन पर कब्जा करने और भूस्वामी को जान से मारने की धमकी देने का भी है। जिसमें न सिर्फ चरन सिंह ब?ल्कि उसकी पत्नी अनुपमा यादव सहित कुल चार लोग फरार हैं। मजे की बात यह है कि उत्तर प्रदेश पुलिस का कहना है कि सभी आरोपी फरार हैं जबकि वही आरोपी ?छतरपुर जिले में खुलेआम घूम कर प्रचार करने में जुटे हैं। अब देखना यह है कि क्या उत्तरप्रदेश पुलिस छतरपुर जिले की बिजावर विधानसभा में प्रचार कर रहे चरन सिंह और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करती है या फिर धनबल के बलबूते पर वह खुलेआम घूमता रहेगा।

आखिर क्या है मामला

इस मामले में जगदीश राय ने झांसी के सिटी कोतवाली में ?शिकायत करते हुए मामला दर्ज कराया था। जिसमें बताया गया कि उसने छनियापुरा झांसी निवासी हरीकिशन पुत्र स्व. कमलापत राय से झांसी होमगार्ड ट्रेनिंग सेन्टर के पास 32 लाख 87 हजार रुपए में कुछ जमीन क्रय की थी। हरीकिशन के साझेदार सालिगराम राय ने जमीन विक्रय करते समय कहा था कि यह जमीन उसने श्रीमती मनकोर पत्नी स्व. ओमकारनाथ से क्रय की है इसमें कोई विवाद नहीं है। हरीकिशन ओर सालिगराम की बातों में आकर बृजेन्द्र ने जमीन खरीद ली। जब वह खरीदी गई जमीन पर निर्माण करने गया तो चरन सिंह यादव और उसकी पत्नी अनुपमा यादव ने बृजेन्द्र को जान से मारने की धमकी देते हुए निर्माण रुकवा दिया। बृजेन्द्र ने हरीकिशन और सालिगराम को मौके पर बुलाया, जिसके बाद चरन सिंह, अनुपमा यादव के साथ उक्त दोनों ने मिलकर बृजेन्द्र से 50 लाख रुपए की मांग करते हुए धमकी दी कि बगैर पैसे दिए अगर निर्माण किया तो जान से मार देंगे। बृजेन्द्र ने किसी तरह 50 लाख रुपए जुटाकर उक्त चारों लोगों को दिए लेकिन उसके बाद भी उनका मन नहीं भरा और चारों ने बृजेन्द्र से 20 लाख रुपए और मांगे। मजबूरन बृजेन्द्र को उन लोगों को 20 लाख रुपए और देने पड़े। इतना पैसे देने के बाद भी बृजेन्द्र द्वारा खरीदी गई जमीन का दाखिल खारिज नही हो पाया।

अंत में बृजेन्द्र को पता चला कि जिस जमीन के बदले उसने इतनी रकम दी है वह जमीन कूटरचित दस्तावेजों की मदद से हरीकिशन और सालिगराम ने बेची है। अंत में उक्त लोगों ने एक बार फिर 10 लाख की मांग करते हुए कहा कि यदि 10 लाख रुपए दोगे तो तुम्हारा दा?खिल खारिज हो जाएगा। बृजेन्द्र राय की रिपोर्ट पर पुलिस ने हरीकिशन, सालिगराम, चरन सिंह और अनुपमा सिंह के विरुद्ध 420, 467, 468, 386, 586 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। झांसी कोतवाली के इंस्पेक्टर संजय गुप्ता ने बताया कि इस मामले में चरण सिंह पर एफआईआर दर्ज है, अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

रसूखदार चला रहे जुए के फड़, रोज लग रहे लाखों के दांव

छतरपुर, देशबन्धु। रातों रात अमीर बनने की चाह में दीपावली के मौके पर जगह जगह जुए के फड़ों पर जुआरियों की भीड़ भी बढ गई है। एक-एक फड पर लाखों के दांव लगाये जा रहे हैं। फड़ सचालक रसूखदारों में राजनैतिक छवि और आपराधिक पृस्ठभूमि वाले होने से पुलिस इन्हें अनदेखा कर रही है।

जिला मुख्यालय से लेकर कस्बों और गांवो में इन दिनों जुआ के फड़ गुलजार हैं। गांवों में पहाड़ों पर, खेतों में बने कमरों में और अहातों में जुए के दांव लगाने वालों की भीड़ है। वहीं कस्बों और नगरों में हाइप्रोफाइल रसूखदारों के आलीशान घरों और फार्म हाउसों पर चलने वाले जुआ के फड़ों का अलग ही नजारा है। इन आलीशान फड़ों को संचालित करने वाले रसूखदार अपने यहां आकर दांव लगाने आने वाले जुआरियों को सुरक्षा के साथ एक बार अंदर जाने पर वहां खाने पीने से लेकर हर तरह की व्यवस्था और हारने पर फाइनेंस की सुविधा भी दे रहे हैं।

दिन-रात चलने वाले इन फड़ों पर दिन में कम और रात में ज्यादा रौनक रहती है। लोगों की मानें तो फड संचालक रसूखदारों की पकड़ नीचे से उपर तक मजबूत होने से कोई भी इनकी ओर आंख उठाकर तक नहीं देखता है। दीपावली के पांच दिवसीय त्योहार के दौरान जुआ के फड़ों की रौनक पर इस बार पुलिस की नजर नहीं है। दरअसल पुलिस चुनावी व्यवस्था में लगी होने से जुआरियों की मौज है। यहां ये बात भी खास है कि कई बार पुलिस के आला अफसरों ने रसूखदारों द्वारा संचालित जुए के फड़ों पर छापा मारने की योजना बनाई लेकिन कार्रवाई के पहले ही संचालको के कानों तक खबर पहुंच जाने से पुलिस को कामयाबी नहीं मिल सकी।

रात में सरकारी कार्यालय बने जुआघर

जिले के सभी सरकारी कार्यालय भी काम-काज के बाद रात में जुआ के फड़ों में बदल जाते हैं। यहां विभागीय कर्मचारी और अधिकारी अपने खास साथियों के साथ मिलकर हजारों के दांव लगा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग और वन विभाग तो अपने जुआरी कर्मचारियों के कारण हमेशा से ही सुर्खियों में रहा है। पीएचई कार्यालय, वन विभाग के हमां स्थित रेस्ट हाउस, गंज के रेस्ट हाउस में, सटई रोड स्थित कृसि उपज मंडी, यहां तक कि छतरपुर के सर्किट हाउस में सरकारी सेवक जुए के दांव लगाते देखे जाते हैं। ब्लाक मुख्यालयों में भी लगभग सभी सरकारी कार्यालय दिन में सरकारी काम काज के केन्द्र बने रहते हैं और रात में जुआघर में तब्दील हो जाते हैं। सूत्रों की मानें तो छतरपुर के निकट कई ग्रामों में स्थाई रूप से जुए के फड़ संचालित है। यहां दांव लगाने के लिए आम लोगों के साथ खास लोग भी पहुंचते हैं। हरपालपुर कस्बे में एक चर्चित जुए के फड़ पर लाखों का जुआ खिलाया जा रहा है। छतरपुर के आस पास कई फार्म हाउसों पर भी जुआ खिलाया जा रहा है।

मतदान करने घर-घर पीले चावल के साथ दे रहे निमंत्रण

सारनी, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा विधानसभा चुनाव 2023 में शत-प्रतिशत मतदान के लिए स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका के कर्मचारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा मतदाताओं के घर-घर तक पहुंचकर, मतदाताओं को पीला चावल देकर मतदान करने लिए निमंत्रण दिया जा रहा है। नगर पालिका के स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार संतोष पथोरिया,नगर पालिका परिषद सारनी के मुख्य अधिकारी सी.के. मेश्राम,महिला बाल विकास परियोजना की अधिकारी संगीता धुर्वे,एवं रश्मि अकोदिया ने सभी को मतदान करने का आग्रह किया है। 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। नगर पालिका के मुख्य अधिकारी सी.के.मेश्राम के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कर्मचारी रंजीत डोंगरे,निराकार सागर, कामदेव सोनी,दीपक महोबे,अनिल लिलोरे, राकेश डोंगरे, बुधराम महोबे,कीर्ति नायक के द्वारा विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालय में रंगोली, मेहंदी,नुक्कड़ नाटक, संगीत, चित्रकला,भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र दिए गए और युवाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए एवं सार्वजनिक चौक-चौराहों में मतदान करने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

चुनाव अधिकारी ने तैयारियों से कराया अवगत

प्रेक्षक ने बरेली में मतदान सामग्री वितरण तैयारियों का लिया जायजा

रायसेन, देशबन्धु। जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 140-उदयपुरा के सामान्य प्रेक्षक जेपी मीना द्वारा बरेली में मतदान दलों को वितरित की जाने वाली सामग्री का अवलोकन किया। सामान्य प्रेक्षक मीना को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा मतदान दलों को वितरित की जाने वाली सामग्री तथा सामग्री वितरण हेतु की जा गईं तैयारियों से अवगत कराया गया।

प्रेक्षक मीना ने नानाखेड़ी मतदान केन्द्र का किया निरीक्षण: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रायसेन जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 141-भोजपुर के लिए सामान्य प्रेक्षक जेपी मीना द्वारा भोजपुर विधानसभा के नानाखेड़ी मतदान केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि मतदान केन्द्र में निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हों, ताकि सुगमता से मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराई जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने व्यवस्थाओं के संबंध में दिए निर्देश: कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे ने रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में आयोजित बैठक में विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत 17 नवम्बर को मतदान उपरांत सामग्री वापसी कार्य हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विधानसभावार सामग्री वापसी हेतु स्टॉल/काउंटर लगाने, टेन्ट, कुर्सी, टेबिल, लाईट, संकेतक लगाने, वाहन पार्किंग, साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा करते हुए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी अभिषेक दुबे, चारों विधानसभाओं के रिटर्निंग अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमृता गर्ग सहित सहायक नोडल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी प्रभुराम के लिए नपा अध्यक्ष ने वार्डों में किया जनसंपर्क

रायसेन, देशबन्धु। सांची विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर प्रभुराम चौधरी के पक्ष में नगर पालिका अध्यक्ष सविता जमना सेन ने नगर के वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 एवं 13 में ढोल बाजे एवं कार्यकर्ता के साथ घर-घर, दुकान दुकान जाकर जनसंपर्क किया। नगर पालिका अध्यक्ष सविता ने जनसंपर्क के दौरान शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाई जा रही जनता के हित कई लाभकारी योजनाओं के बारे में बताया तथा भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर प्रभु राम चौधरी द्वारा सांची विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों के बारे में जनता को बताया। जनसंपर्क के दौरान नगर पालिका के अध्यक्ष, पार्षद राजकुमारी शाक्य पार्षद, नेहा आदित्य चावला, भाजपा के वरिष्ठ नेता जमना सेन आदित्य चावला धनीराम विश्वकर्मा शिवम उपाध्याय अंशुल शर्मा अश्विनी पटेल अशोक सेन जीतू सेन नीरज महावर, सपना सक्सेना ज्योति ज्योति सोनी, श्रद्धा सिंह विकास लोहट कुंजीलाल अहिरवार सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

सागर, बुधवार 15 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

और कितने हादसे देखेंगे पहाड़!

पहाड़ों के साथ छेड़छाड़ का एक और नतीजा बड़े हादसे के रूप में सामने आया है जिसमें उत्तराखंड स्थित उत्तरकाशी के बड़कोट में एक निर्माणाधीन सुरंग धसक गयी। उत्तरकाशी में ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलक्यारा से डंडालगांव के बीच यह सुरंग बन रही है। इसमें करीब 40 मजदूर फंसे हुए हैं जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए पिछले 3 दिनों से प्रयास हो रहे हैं। केन्द्र के एनडीआरएफ तथा राज्य के एसडीआरएफ समेत अनेक विशेषज्ञ टीमें मलबे को हटाकर उन्हें निकालने हेतु प्रयासरत हैं। सुरंग के अंदर फंसे ज्यादातर प्रवासी मजदूर हैं- मुख्यत: उत्तर प्रदेश के। आशा है कि बचाव टीमें इन्हें सुरक्षित निकालने में कामयाब होंगी। बताया गया है कि सुरंग के भीतर फंसे हुए मजदूर सुरक्षित हैं। वॉकी टॉकी के माध्यम से रेस्क्यू टीम का उनसे संपर्क बना हुआ है। उत्तरकाशी की मिट्टी बहुत नर्म है। इसके चलते ऊपर से चट्टानें, मिट्टी आदि लगातार नीचे गिर रही है। इसके कारण भी बचाव कार्य में बड़ी दिक्कतें आ रही हैं।

पहाड़ों के साथ जैसा व्यवहार मनुष्य की ओर से हो रहा है उसका एक और उदाहरण इस हादसे के रूप में सबके सामने है। अब यह सोचने का वक्त आ गया है कि किस तरीके से पहाड़ों में विकास कार्य किये जायें कि प्रकृति को न्यूनतम नुकसान हो और कम से कम ऐसे दर्दनाक हादसे तो न ही घटें। उल्लेखनीय है कि इसी साल की जनवरी में जोशीमठ में कई जगहों पर जमीनों पर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गईं। अनेक घरों में भी दरारें आई हैं जिसके कारण सैकड़ों लोगों ने जोशीमठ ही छोड़ दिया है। उन्हें अस्थायी शिविरों में शरण लेनी पड़ी थी। आज भी यहां के लगभग 700 मकानों में दरारें देखी जा सकती हैं। यह कस्बा एक तरह से खाली हो गया है। पिछले साल अक्टूबर में उत्तरकाशी के ही भटवाड़ी इलाके में द्रौपदी के डांडा-2 पर्वत शिखर पर जोरदार बर्फीला तूफान आया था। इससे 34 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी। इनमें 25 प्रशिक्षु थे जबकि 2 प्रशिक्षक थे। 2013 में केदारनाथ की त्रासदी को कोई नहीं भूल सकता। यह हाल के वर्षों में उत्तराखंड की सर्वाधिक बड़ी त्रासदी मानी जाती है जिसमें पता नहीं कितने लोगों की मौत हो गई थी। आज तक यह ठीक-ठीक नहीं बताया जा सकता कि कितने लोग मारे गये। अक्टूबर 1991 में जोरदार भूकंप आया था जिससे करीब एक हजार लोग मारे गये थे। हजारों मकान भी पूरी तरह से बर्बाद हो गये थे। तब यह अविभाजित उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। ऐसे ही, काफी पहले पिथौरागढ़ जिले का माल्पा गांव भूस्खलन के चलते पूरी तरह से उजड़ गया था। इस हादसे में 255 लोगों की मौत हुई थी जिनमें कैलाश मानसरोवर जाने वाले 55 से ज्यादा श्रद्धालु थे। चमोली जिले में रिएक्टर स्केल पर 6.8 की तीव्रता वाले भूकंप के चलते 100 से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इससे सटे हुए जिले रुद्रप्रयाग में भी भारी नुकसान हुआ था और अनेक घरों, सड़कों तथा जमीनों में दरारें आई थीं।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश समेत पूरी हिमालयीन पर्वत श्रृंखला अपेक्षाकृत पृथ्वी पर होने वाला नया प्राकृतिक निर्माण है। कुछ ही स्थलों को छोड़ दें तो कम आयु की यह पर्वतमाला ज्यादातर स्थलों पर कच्ची है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार इसका निर्माण अब भी जारी है। उसमें भी उत्तराखंड की मिट्टी तो और भी भुरभुरी होने के कारण पृथ्वी की परतों के नीचे होने वाली हलचलों का असर हिमाचल प्रदेश के साथ इसी क्षेत्र में सर्वाधिक पड़ता है। नेपाल में बार-बार आने वाले भूकम्पों का कारण भी यही भूगर्भीय हलचलें हैं। ये पहाड़ अपनी खूबसूरती के कारण देश-विदेश से करोड़ों लोगों को आकर्षित करते हैं। दरअसल उसके दिलकश नज़ारे ही उसके लिये अभिशाप बन गये हैं क्योंकि उनका आनंद लेने के लिये बड़ी संख्या में आने वालों के लिये ही निर्माण कार्य हो रहे हैं। यहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हुए निर्माण कार्यों को यहां की आपदाओं के लिये प्रमुख रूप से दोषी बताया जाता है। जगह-जगह बनने वाले होटल, मकान, बहुमंजिला इमारतें, व्यवसायिक परिसर, रिसोर्ट्स, होमस्टे आदि के कारण जमीनों का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से बदल दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय सीमाएं लगने के कारण इस पूरे क्षेत्र का सैन्य महत्व भी है। सीमाओं पर चौकसी व उनकी सुरक्षा के लिये बड़ी सड़कें, पुल, सुरंगें आदि बनाई जाती हैं। इनसे भी पहाड़ों को नुकसान पहुंचता है। इन पहाड़ों में पनबिजली उत्पादन की भी अपार सम्भावनाएं हैं क्योंकि पर्वतों से निकलने वाली नदियों और नालों से बिजली संयंत्रों को पानी मिलता है। इसके लिये पानी के बहाव को मोड़ा गया है, बांध बने हैं, सुरंगें बनी हैं एवं विशाल निर्माण हुए हैं जिनसे बड़ी तादाद में बने विद्युत संयंत्रों को जल की आपूर्ति होती है।

हाल के वर्षों में सरकारों द्वारा नयी सड़कें या उनका चौड़ीकरण, पुल, सुरंग आदि का निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके लिये होने वाले विस्फोटों व मशीनों के कारण भी पहाड़ों को भारी नुकसान होता है। इससे जलवायु में भी परिवर्तन हो रहा है। अब तो पहाड़ों के ऋतु चक्र में तक बदलाव दर्ज हो रहे हैं। ऊपरी इलाकों में स्थित ग्लेशियरों के पिघलने के कारण इन पहाड़ों से निकलने वाली नदियों का जल स्तर बढ़ने तथा भूगर्भीय जल के कारण सतह के ऊपर बड़ी टूट-फूट हो रही है। नये-नये निर्माण कार्यों के परिणाम ऐसी ही त्रासदियों एवं हादसों के रूप में सामने आ रहे हैं। विकास की आवश्यकता से कोई इंकार नहीं कर सकता लेकिन इन त्रासदियों एवं हादसों को देखते हुए नियंत्रित व वैज्ञानिक तरीके से निर्माण किये जाने चाहिये।

आखिरकार भाजपा को कांग्रेस ने उतारा यथार्थ की ज़मीन पर

वैसे तो देश के पांच राज्यों (राजस्थान, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम एवं छत्तीसगढ़) में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं लेकिन इनमें दूसरा सबसे छोटा राज्य छत्तीसगढ़ कुछ विशिष्ट मायनों में अति महत्वपूर्ण बन गया है। यहां के राजनैतिक विमर्श से पिछले कुछ समय से जो राजनीतिक दबदबा एवं बढ़त भारतीय जनता पार्टी के पास थी, वह अब छूट रही है। पांच साल पहले बड़े बहुमत से छत्तीसगढ़ में बनी कांग्रेस की सरकार ने जहां एक ओर अनेक लोकहितकारी काम किये हैं, उसने भाजपा को राजनैतिक जवाब तो दिया ही है, देश के सम्पूर्ण सियासी नैरेटिव को बदलकर रख दिया है। नुकसान में भाजपा ही है।

मतदाताओं को लुभाने के लिये अब जिस तरह से पांच राज्यों के चुनावों में प्रमुख राजनैतिक दल घोषणाएं कर रहे हैं उससे मतदाताओं के विभिन्न वर्गों की सचमुच मौज हो गई है। पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से आर्थिक एवं जमीनी मुद्दे सियासी विमर्श से हट गये थे, वे इन चुनावों के जरिये वापस केन्द्र में आ रहे हैं। यथार्थवादी मुद्दों की जगह पर भावनात्मक मसलों को तरज़ीह देने वाली भारतीय जनता पार्टी भी रास्ता बदल रही है। मतदाताओं ने उसे सही राह पर तो लाया है, अब अवाम को केवल यह सीखना बचा है कि गारंटियां देने वाली राजनैतिक पार्टियों के जीतने पर उनके नेताओं को कान पकड़कर उन्हें पूरा करने पर मजबूर किया जाये।

पिछले दिनों हिमाचल एवं कर्नाटक में मिली पराजयों से उम्मीद की जा रही थी कि भाजपा का राजनैतिक विमर्श बदलेगा परन्तु उसका साम्प्रदायिकता, सामाजिक ध्रुवीकरण और ऐसे ही भावनात्मक मुद्दों पर विश्वास इतना गहरा है कि वह इस लाइन को सहजता से नहीं छोड़ती। हालांकि उसे कर्नाटक में मिली हार से सबक लेना चाहिये था जब वहां कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध के वादे को उसने बजरंग बली से जोड़ दिया था लेकिन उसका कोई फायदा उसे मिल नहीं पाया था। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सभाओं में बजरंग बली के नारे लगवाए गए और प्रदेश भर में चुनाव के अंतिम दौर में हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ भी कराये गये। इसके बाद भी जिस तरह से भाजपा को मुंह की खानी पड़ी तो उसके बाद हो रहे इन इन पांच राज्यों में उससे सबक लेते हुए कम से कम इस तरीके के प्रचार से तौबा करनी चाहिये थी। वैसे इसके लिये इन राज्यों में उसकी गुंजाइश बची भी नहीं है।

राजस्थान में भाजपा ने इसकी कोशिश की जहां कुछ अरसा पहले हुए एक दर्जी कन्हैयालाल की हत्या के मामले को भुनाने की कोशिश हुई, पर वह विमर्श भी नहीं बढ़ पाया। वहां के लोगों ने राजस्थान सरकार के कामों को पसंद किया, खासकर सस्ते रसोई गैस सिलिंडर, पुरानी पेंशन योजना आदि। छत्तीसगढ़ ने और भी बेहतर उदाहरण पेश किया। यहां पहले चरण का मतदान (7 नवम्बर) हो जाने के बाद और दूसरे चरण (17 नवम्बर) के पहले भारतीय जनता पार्टी ने ऐलान कर दिया कि अगर वह चुनाव जीतती है तो राज्य की सभी विवाहित महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर माह 1000 रुपए तक की आर्थिक मदद दी जायेगी। इसके लिये उसने प्रमुख अखबारों में आधे-आधे पेज के विज्ञापन प्रकाशित किये जिसमें एक फॉर्म भी था। महिलाओं से कहा गया कि वे इसे भरकर भाजपा के स्थानीय कार्यालयों में जमा करें। मकसद साफ है कि जो महिलाएं इन आवेदनों को जमा करेंगी उन्हें पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिये प्रेरित किया जायेगा। आचार संहिता का यह खुला उल्लंघन तो है ही, अनैतिक भी है। निर्वाचन आयोग ने इसे लेकर भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष अरुण साव के अलावा कुछ भाजपा प्रत्याशियों को नोटिस भी जारी की है। एक पूर्व मंत्री राजेश मूणत की तरफ से भी मतदाताओं के मोबाइलों पर डायरेक्ट मैसेज मिले हैं जिनमें एक ईमेल आईडी दी गई है और कहा गया था कि वे इस योजना का लाभ लेने के लिये इस लिंक पर आवेदन करें। अब इसके जवाब में कांग्रेस ने इसी की तर्ज़ पर 15 हजार रुपये सालाना आर्थिक मदद देने का ऐलान कर मतदाताओं के रुख को पलटाने का दांव चल दिया जिसका भाजपा निरूत्तर है।

इसके पहले यहां कुछ जगहों पर साम्प्रदायिकता का रंग देने की कोशिशें हुई हैं, जैसी कि अनेक राज्यों में हुई है। विशेषकर, कद्दावर नेता मोहम्मद अकबर के चुनावी क्षेत्र कवर्धा में उनके खिलाफ प्रचार करने के लिये कई तल्ख़ ज़ुबानी बाहरी नेताओं को उतारा गया। इनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्व सरमा आदि शामिल हैं। इसके अलावा कई साधु-संतों को तक उतारा गया। हिमंता ने तो अंदेशा जताया कि 'एक अकबर के आने से कई अकबर आते हैं,' लेकिन बाद में वे इससे मुकर गये। ऐसे ही, कुछ समय पहले बेमेतरा में एक साम्प्रदायिक झगड़े में मारे गये भुनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को मंत्री रवीन्द्र चौबे के विरूद्ध भाजपा ने मैदान में उतारा है। फिर भी ये पैंतरे काम नहीं आ रहे हैं क्योंकि छग सचमुच शांति का टापू है। इसलिये हमेशा की तरह भाजपा सरकार ने केन्द्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों को भी काम पर लगा दिया है। कर्नाटक में बजरंग दल को बजरंग बली से मिलाने की ही तरह छग में भी भाजपा ने महादेव एप को भगवान महादेव से जोड़ दिया। मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे नेता भी महादेव एप के जरिये भूपेश बघेल को 500 करोड़ रुपये मिलने का प्रचार तो कर रहे हैं परन्तु यह कोई भी नहीं बता पा रहा है कि ये पैसे आए कैसे और खुद छत्तीसगढ़ सरकार के महादेव एप पर प्रतिबंध लगाने की मांग को क्यों केन्द्र ने लम्बे समय तक लटकाये रखा?

डॉ. दीपक पाचपोर

कर्नाटक के बाद छत्तीसगढ़ ने साबित कर दिया है कि भाजपा के साम्प्रदायिक कार्ड के दिन लद गये हैं। जमीन पर पूरी तरह से उतर चुकी भाजपा अब सस्ते गैस सिलेंडर की बात करती है, वह चुनाव जीतने पर किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रुपए का ऊंचा न्यूनतम समर्थन मूल्य देना चाहती है- बिना यह बताये कि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में इसका भाव 2100 रुपए क्यों है।

कर्नाटक के बाद छत्तीसगढ़ ने साबित कर दिया है कि भाजपा के साम्प्रदायिक कार्ड के दिन लद गये हैं। जमीन पर पूरी तरह से उतर चुकी भाजपा अब सस्ते गैस सिलेंडर की बात करती है, वह चुनाव जीतने पर किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रुपए का ऊंचा न्यूनतम समर्थन मूल्य देना चाहती है- बिना यह बताये कि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में इसका भाव 2100 रुपए क्यों है जहां उसी की सरकार है। अब वह छत्तीसगढ़ के लोगों को अपने घोषणापत्र में कहती है कि प्रदेश में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) में बेहतरीन काम हुआ है। वही मनरेगा जिसे मोदी भरी संसद में चटकारे लेकर कहते थे कि 'यह कांग्रेस की 'विफलता का स्मारक' है और वह इसे बन्द न करके इसे जारी रखेंगे ताकि जनता देख सके कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी सरकार लोगों को गड्ढे खोदने के लिये भेजती है।' अब भाजपा के लिये किसी को नगद राशि देना रेवड़ियां नहीं रह गया है। हालांकि अभी भी भाजपा यहां ओबीसी और कर्ज माफी के मामले पर मौन है। इसलिये यह चुनाव भाजपा सहित सभी राजनैतिक दलों को यह भी बताएगा कि जनहित के मामलों को जल्दी और वक्त पर लागू किया जाना चाहिये, न कि चुनावी हार को सामने देखकर।

छत्तीसगढ़ का विमर्श अन्य चारों राज्यों में भी फैलता दिख रहा है। उम्मीद है कि वह अगले साल होने जा रहे लोकसभा के चुनाव में भी बना रहेगा। यहां कोई जीते या हारे, तमाम राज्यों में कोई जीते या हारे, लोकसभा-2024 भी कोई हारे या जीते, देश का राजनैतिक विमर्श ठोस जमीनी रहेगा- यही छत्तीसगढ़ का योगदान है।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

हमारे लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया की कमियां दूर करने के कुछ सुझाव

हमारे देश के चुनावों को करोड़पतियों ने हाईजैक कर लिया है। जितने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरते हैं उनमें से बहुसंख्यक करोड़पति होते हैं। चूंकि वे स्वयं करोड़पति होते हैं इसलिए वे चुने जाने के बाद करोड़पतियों के हितों का ही ख्याल रखते हैं। अब यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि भारतीय प्रजातंत्र करोड़पतियों के लिए, करोड़पतियों द्वारा बनाई गई व्यवस्था है।

हमारे संविधान की उद्देशिका में लिखा है भारत एक सेक्युलर, सोशलिस्ट रिपब्लिक है। चुनाव के दौरान यह उद्देशिका पूरी तरह भुला दी जाती है। चुनावों के दौरान सेक्युलरिज्म की कोई चर्चा नहीं होती। उल्टे मतदाताओं से धर्म के नाम पर अपील की जाती है। प्राय: उम्मीदवार मंदिर जाते हैं, भगवान से आशीर्वाद मांगते हैं, बड़ी-बड़ी मन्नतें मांगते हैं, भारी-भरकम चढ़ावा चढ़ाते हैं। जाति का तो कहना ही क्या- उम्मीदवारों का चयन ही जाति के आधार पर होता है।

जहां तक सोशलिज्म का सवाल है, लगभग सभी पार्टियां इस शब्द को पूरी तरह भूल गई हैं। सोशलिज्म का उद्देश्य समतामूलक समाज का निर्माण करना है। लेकिन इस देश में मुकेश अंबानी रहते हैं, जिनके मकान में तीन सौ कमरे हैं। इस मकान के संदर्भ में प्रसिद्ध शायर कैफी आजमी की वह कविता याद आती है -

'आज की रात बहुत गर्म हवा चलती है,
अब इस फुटपाथ पर न सोया जाएगा,
तुम भी उठो, हम भी उठें,
कोई खिड़की इस दीवार में खुल जाएगी'।

यह बात सिर्फ अंबानी पर लागू नहीं होती। यह स्थिति पूरे देश की है। यह असमानता सिर्फ मकानों व झोपड़ियों तक सीमित नहीं है। यह खेती की जमीन पर भी लागू होती है। यद्यपि हमारे देश में खेती की जमीन पर सीलिंग कानून लागू है परंतु आज भी ऐसे लोग मौजूद हैं जो सैकड़ों एकड़ जमीन के मालिक हैं, जो खुलेआम सीलिंग कानून का उल्लंघन है।

एक और बुनियादी सिद्धांत का पालन नहीं हो रहा है। जिस बड़े पैमाने पर दलबदल कर सरकारें बनाई और गिराई जाती हैं उसके चलते अब चुनाव का कोई मतलब नहीं रह गया है। मध्यप्रदेश में 2020 में जो हुआ वह इसका जीता-जागता उदाहरण है। आप चुनाव किसी घोषणापत्र पर और किसी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर जीते और चुनाव जीतने के बाद सत्ता की खातिर क्षण भर में उस पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। मध्यप्रदेश में जो हुआ था वह अवसरवादिता और सिद्धांतहीनता की पराकाष्ठा थी। जिन लोगों ने दलबदल किया उन्होंने पहले चिल्ला-चिल्लाकर भाजपा को साम्प्रदायिक दल बताया था। सन् 2018 में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा का हमला मुख्यत: ज्योतिरादित्य सिंधिया पर केन्द्रित था। हम 'माफ करो महाराज' नारे को भूल नहीं सकते जो सिंधिया के विरूद्ध बार-बार लगाया गया था। वही सिंधिया माफ करते हुए कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।

दलबदल ने हमारे देश में प्रजातंत्र को सिद्धांतहीनता के खंभों पर खड़ा कर दिया है। वैसे द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के जो अनेक देश आजाद हुए थे, उनमें से हमारा देश उन चन्द देशों में से एक है जहां लोकतंत्र कायम है। परंतु दलबदल का दीमक उसे जिस तरह से बर्बाद कर रहा है उससे लगता है कि एक दिन देश का लोकतंत्र ही खतरे में पड़ जाएगा।

भारत में दलबदल की प्रक्रिया को सैद्धांतिक अमली जामा डॉ. राममनोहर लोहिया ने पहिनाया था। उन्होंने नारा दिया था ''जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती है'। उनका नारा था 'equidistance' उद्देश्य था कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी से बराबर की दूरी रखी जाए। जिंदा कौमें...वाले नारे का मतलब था कि यदि चुनी हुई सरकार गड़बड़ करती है तो उसे पांच साल के पहले ही पलट दो। इस नारे का सहारा लेकर दलबदल शुरू हो गया। अनेक सरकारों को दलबदल के जरिए पलट दिया गया। दलबदल के बारे में एक नया नारा उभरा - 'आया राम गया राम'। इस तरह पहली बार भगवान राम का नाम राजनीति में घसीटा गया। मध्यप्रदेश भी उन राज्यों में से एक था जहां दलबदल से सरकार बदली गई। दलबदल के जरिए सरकारें बदलने की इस प्रक्रिया में जनसंघ की प्रमुख भूमिका रही। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारिका प्रसाद मिश्र ने सुझाव दिया कि जहां भी ऐसे प्रयास हों वहां की विधानसभा को भंग कर दिया जाए। पंडित मिश्र का यह सुझाव नहीं माना गया। यदि यह सुझाव मान लिया गया होता तो हो सकता है कि दलबदल की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती। अब यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई है कि उस पर काबू पाना बहुत मुश्किल हो गया है। राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा करना व्यर्थ है कि वे इस प्रवृत्ति को समाप्त करने में पहल करेंगे।

यदि दलबदल को समाप्त करना है तो इसके लिए आम लोगों को ही पहल करनी होगी। आम लोगों को सांसदों पर इतना दबाव बनाना चाहिए कि वे संसद में दलबदल को पूरी तरह प्रतिबंधित करने वाला कानून बनवाने को बाध्य हो जाएं। परंतु यह हमारा दुर्भाग्य है कि सार्वजनिक मुद्दों पर हमारे देश की जनता संगठित नहीं होती है जैसा पश्चिम के राष्ट्रों में होता है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस आदि ऐसे देश हैं जहां जनता की इच्छा के विरूद्ध कोई काम करना बहुत कठिन होता है। जैसे, यदि अमेरिका ईराक पर हमला करता है तो वहां की जनता सड़कों पर निकलकर इसकी भर्त्सना करती है। हम यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि हमारे देश की जनता दलबदल के पूरी तरह विरूद्ध है परंतु दलबदल होने पर वह सड़कों पर निकलकर उसका विरोध नहीं करती। यदि जनता दलबदल करने वाले सांसदों और विधायकों का सामाजिक बहिष्कार करने लगे तो भविष्य में कोई भी सांसद या विधायक दलबदल करने का साहस नहीं करेगा। इसी तरह जो अन्य कमियां हमारे लोकतंत्र में आ गईं हैं उन्हें भी प्रबल सामूहिक विरोध के माध्यम से ही दूर किया जा सकेगा।

एल. एस. हरदेनिया

हमारे देश की जनता दलबदल के पूरी तरह विरूद्ध है परंतु दलबदल होने पर वह सड़कों पर निकलकर उसका विरोध नहीं करती। यदि जनता दलबदल करने वाले सांसदों और विधायकों का सामाजिक बहिष्कार करने लगे तो भविष्य में कोई भी सांसद या विधायक दलबदल करने का साहस नहीं करेगा। इसी तरह जो अन्य कमियां हमारे लोकतंत्र में आ गईं हैं उन्हें भी प्रबल सामूहिक विरोध के माध्यम से ही दूर किया जा सकेगा।

पावन प्रसंग

सद्गुण है विनम्रता

मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह है जो उसे हर मुसीबत में विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पर पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अहंकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है, या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूपमंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति 'अधजल गगरी छलकत जाए' की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह न आधा रह पाता है न ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही है-

बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अहंकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए न कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वत: निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बनने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव प्रकाशित करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्वकर्ता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्रशील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

दीपावली के कारण चुनाव प्रचार में पार्टिया घर घर जाकर झोंक रही है पूरी ताकत

पुरानी कहावत के अनुसार चुनाव जीतने के बाद पांच साल बाद नेता उस मोहल्ले में फिर से आता था। जहां से वे उस क्षेत्र से उम्मीदवार बन चुनाव जीतकर गया है। लेकिन यह अभी ट्रेंड बदला है। विकास के लिए देश में युद्ध स्तर पर कार्य हो रहा है। राजस्थान में चुनाव को लेकर प्रत्याशी एवं मतदाता गंभीर है। कांग्रेस के पांच साल के शासन काल की परिणति रही है कि कांग्रेस ने साढ़े चार तक अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक दूसरे की नजर चुरा रहे थे। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष बनने के बाद सचिन को इशारों इशारों में समझाने के बाद सचिन ने हमेशा के लिए चुप्पी साध ली है। कांग्रेस के दिग्गज नेता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को चुनाव में भुना रहे हैं। भाजपा के पास पेपरलीक और भ्रष्टाचार के मुद्दे हैं। दीपावली के पावन पर्व के कारण राजस्थान में घर घर जाकर प्रत्याशी प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस को उनकी योजनाओं पर एतबार है। मोदी ने कहा कि देश में गरीबी का कारण कांग्रेस जिम्मेदार है। भाजपा कांग्रेस को विफल बताते हुए कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की नीति अपनाती है। राजस्थान में बिगड़ती कानून व्यवस्था को भाजपा चुनावी हथियार की तरह उपयोग करने जा रही है। इस नवम्बर में चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा के पास दूसरे टर्म की आशा है तो कांग्रेस को हर मोर्चे पर विफल बता रही है। बिगड़ती कानून व्यवस्था महिला अपराध सांप्रदायिक तनाव जैसे मुद्दे कांग्रेस के लिए भारी पड़ सकते हैं। कांग्रेस को कोई नहीं परास्त कर सकता है क्योंकि धरातल पर पटकने में कांग्रेस की नीतियां कारणभूत है और उनकी कार्यप्रणाली कांग्रेस की हार का कारण बनेगी। भाजपा और कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेताओं का चुनाव प्रचार के लिए आना-जाना लगा ही रहता है। लेकिन स्टार प्रचारकों के बाद ही राजस्थान की चुनावी फिजा बदलेगी। क्योंकि उनके स्टार जिस दल का प्रचार करेंगे उसी दल को मतदाता वोट करेंगे।आगामी दो दिनों में राजस्थान की गणित बदलती हुई दिखाई देगी। जयपुर, जोधपुर और उदयपुर संभाग में स्टार प्रचारकों के दौरे कराए जाएंगे। कांग्रेस चिरंजीवी योजना, पुरानी पेंशन और मुफ्त बिजली पर विशेष ध्यान दे रही है। ये चुनावी मुद्दे के तौर पर देखे जा सकते हैं। कांग्रेस ने जिन कल्याणकारी योजनाओं को चुनावी मुद्दे बनाकर लोगों को लुभा रही है उसका कार्यकाल तीन-चार महीने पूर्व का ही है। इसमें लोगों को कितना फायदा मिला होगा? वृद्धावस्था पेंशन पर कांग्रेस का फोकस है। दरअसल, पहली बार युवा वोट करने जा रहे हैं। उनके मन में भी अनेक प्रश्न है और उन प्रश्नों के आधार पर ही चुनावी दल को वोट करेंगे। जिन बच्चों के जेहन में उनके जीवन को लाभान्वित करने वाले मुद्दे किसी भी दल के पास होंगे उसी दल को वोट करेंगे।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

राहुल गांधी ने राजधानी में किया रोड़ शो, बोले-

मप्र में डेढ़ सौ से अधिक सीटों के साथ कांग्रेस की सरकार बनेगी

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने आज राजधानी भोपाल में कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो किया। इमामी गेट से शुरू हुए उनके रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ा, इस दौरान उन्होंने जनता का अभिवादन भी किया। इसके बाद श्री गांधी ने नरेला विधानसभा क्षेत्र के अशोका गार्डन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रत्याशी मंच पर मौजूद रहे।

राहुल ने कहा कि भाजपा सरकार जहां भी होती है, यह दो-तीन काम करते हैं। सबसे पहले पूरा का पूरा फायदा दो-तीन बड़े उद्योगपतियों को देते हैं। मोदी पूरा का पूरा फायदा अपने 1-2 उद्योगपति मित्रों को देते हैं, सारा काम अडानी जी को मिलता है, उन्होंने कहा कि पैसा जनता की जेब से जीएसटी के माध्यम से आता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा को हराया, हिमाचल में पराजित किया और अब कांग्रेस मध्यप्रदेश में 150 से अधिक सीट लेकर इन्हें हराने जा रही है। श्री गांधी ने केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के बेटे के वायरल वीडियो का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। श्री गांधी ने कहा कि भाजपा के सारे मंत्री और उनके मुख्यमंत्री सब के सब भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। महाकाल कॉरिडोर में, मिड डे मील का पैसा, व्यापमं घोटाला, पटवारी घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले की कोई जांच नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी, शिवराज सरकार की कोई जांच नहीं करते। जांच एजेंसियों की खामोसी पर भी उन्होंने सवाल उठाए, कहा कि कोई इनकम टैक्स नहीं कोई सीबीआई नहीं कोई ईडी नहीं।

उन्होंने कहा कि याद रखिए पिछले विधानसभा चुनाव में आपने बीजेपी को नहीं चुना था, आपने कांग्रेस पार्टी की सरकार चुनी थी। यह जो सरकार है यह बीजेपी की सरकार है लेकिन चोरी की सरकार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हर महिला के अकाउंट में हर महीने कांग्रेस पार्टी की सरकार 15सौ रुपए खाते में डालेगी, बेटी के पैदा होने से लेकर उसके विवाह तक ढाई लाख रुपये आपको मिलेगा, हमने पिछली सरकार में किसानों का कर्ज माफ किया था, 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया था, प्रदेश के किसानों का कांग्रेस फिर से कर्जा माफ करने जा रही है। गेहूं 26 सौ रुपए प्रति क्विंटल और धान का 25 सौ रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मिलेगा। बिजली का बिल सौ यूनिट माफ और 2 सौ यूनिट तक का हाफ मिलेगा।

रेलवे पटरी पर मिली सब्जी कारोबारी की लाश

भोपाल, देशबन्धु। गौतम नगर इलाके में रहने वाला युवक रविवार की दोपहर को घर से बिन बताए निकला था। रात को उसका शव नारीयलखेड़ा में स्थित रेलवे पटरी पर मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम कराया और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। फिलहाल यह पता नहीं चल सका है कि उसने खुदकुशी की है या वह हादसे का शिकार हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामस्वरूप अहिरवार पुत्र फूल सिंह अहिरवार 32 फिजा कॉलोनी करोंद का रहने वाला था। वह सब्जी का कारोबार करता था। बताया गया है कि रविवार को दीपावली के रामस्वरूप का पत्नी से मामूली विवाद हुआ था। इसके बाद रामस्वरूप नाराज होकर बिन बताए घर से निकल था। रात को नारीयलखेड़ा में रेलवे पटरी पर उसका शव मिला। इसकी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी पहुंचाया। सोमवार को पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मृतक की जेब से पत्र नहीं मिला है।

शिवराज ने दर्जन भर से अधिक सभाएं की, पूछा-

राहुल बताएं कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग के कितने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाए

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को प्रदेश भर की एक दर्जन विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया। श्री चौहान ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में श्योपुर, पोहरी, विजयपुर, सबलगढ़, जौरा, सुमावली, अटेर, भिण्ड, मेंहगांव, मुरैना, ग्वालियर और भोपाल समेत 13 चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, कांग्रेसी बड़े परेशान हैं, वो कहते हैं कि, ये डेढ़ मुट्ठी का दुबला-पतला मामा कहां से आ गया, ये तो हमारी दाल ही नहीं गलने देता है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी रोज झूठ बोलते हैं। उन्होंने सवाल किया कि राहुल यह बताएं कि कांग्रेस ने कितने ओबीसी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाए।

मुख्यमंत्री ने इंडी गंठबंधन और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि, राहुल गांधी जी आज मध्यप्रदेश आएं हैं और मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि, इंडी गठबंधन ने सनातन का अपमान किया, आप चुप रहे क्या ये आपकी मौन स्वीकृति है..? उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी इधर-उधर की बात करते हैं, वो ये बताएं कि, बरसों तक उनकी पार्टी का शासन रहा, कितने ओबीसी प्रधानमंत्री बने और मध्यप्रदेश में किस ओबीसी को मुख्यमंत्री बनाया। राहुल गांधी जी आपको इन सवालों का जवाब देना पड़ेगा।

श्री चौहान ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अहंकारी कांग्रेस और कमलनाथ धमकी दे रहें हैं कि, खबरदार मेरी चक्की बहुत बारीक पीसती है, लेकिन तुम्हारी चक्की में तो कांग्रेस ही पिस रही है कमलनाथ। कमलनाथ सबको धमका रहे हैं कि, देख लूँगा, निपटा दुंगा, बहनों से कांग्रेसी कह रहे हैं कि, तुम्हारे घर के चूल्हे जलना बंद हो जाएंगे, बच्चे भूखे मर जाएंगे। श्री चौहान ने कहा कि, सुन लीजिए कमलनाथ और दिग्विजय, मुझे कुछ भी कह देना कोई फ़र्क नहीं पड़ता, लेकिन मेरी बहन और भांजे-भाजियों की तरफ उंगली उठाई तो छोड़ूँगा नहीं। इतना अहंकार मत करो कमलनाथ ये जनता किसी को छोड़ने वाली नहीं है। श्री चौहान ने कहा कि, इस अहंकारी कांग्रेस को समाप्त करो, घमंड तो रावण और कसं का भी नहीं बचा तो कमलनाथ का घमंड कैसे बचेगा।

करोड़ों के लेन-देन का वीडियो में हो रहा जिक्र

केंद्रीय मंत्री तोमर के बेटे का एक और वीडियो वायरल

कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने से पहले केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। कांग्रेस का आरोप है कि करोड़ों के लेन-देन का जिक्र है। मगर, न तो ईडी का पता है और न ही आयकर की खबर। वहीं, भाजपा ने इसे फेक वीडियो करार दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक का कहना है कि 50 प्रतिशत कमीशन और शिवराज सिंह चौहान तो एक-दूसरे के पर्याय बन ही चुके हैं। अब, नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर के लगातार वायरल हो रहे वीडियो इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण दे रहे हैं कि 50 प्रतिशत कमीशन के साथ-साथ 'काला-धन' भी भाजपा नेताओं का पर्याय बन चुका है। आज देवेंद्र तोमर का 500 करोड़ की हवाला डीलिंग का एक नया वीडियो वायरल हुआ है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जो इस चुनाव में दिमनी से भाजपा प्रत्याशी भी हैं, उनके बेटे देवेंद्र तोमर का एक वीडियो कुछ दिन पहले वायरल हुआ। इस वीडियो में वो बड़ी आसानी से 100 करोड़, 39 करोड़, 21 करोड़, 18 करोड़ रुपए की लेन-देन की बात करते हुए प्रतीत हो रहे थे। इस वीडियो में देवेंद्र लखनऊ के एक बिचैलिए के जरिए माइनिंग कारोबारियों से काला धन लेने के लिए मल्टीपल बैंक अकाउंट के बंदोबस्त की जांच करते हुए दिख रहे थे। नए वायरल वीडियो में चंडीगढ़ से पैसे ट्रांसफर करने की बात होती दिख रही है। बिचौलिया कह रहा है कि हर महीने सीए बताएगा कि 50 करोड़ आने हैं या 100 करोड़ आने हैं या 500 करोड़ आने हैं और देवेंद्र बहुत ही मासूमियत से 'ठीक है, नो प्रॉब्लम' कहते हुए प्रतीत हो रहे हैं। फिर वो पूछते हैं कि पहले महीने में कितना आएगा और बिचौलिया कहता है 250 करोड़। बिचौलिए से कहते हैं कि तुम अपने अकाउंट में ले लो और वो कहता है कि 50 प्रतिशत इक्विटी स्टेक अपने पास रखिए।

भाजपा ने वीडियो को बताया फेक

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने इस वीडियो को फेक बताते हुए कहा है कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए फेक वीडियो जारी किए जा रहे हैं। इसकी शिकायत की गई है, जांच हो रही है। कांग्रेस भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तो 250 करोड़ से ज्यादा की रकम पकड़ी गई थी।

प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा:-

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम और पता:- **इंजी. ज्योति पटेल**

ग्रा. व. पो. सांवल सिरिया. तह. रहली, जिला सागर

राजनैतिक दल का नाम:- **इंडियन नेशनल कांग्रेस**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **039 रहली**

मैं **ज्योति कुर्मी** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरणों मे घोषणा करती हूँ।

A:- लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराओं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	जे.एम.एफ.सी. रहली	125/20 5/9/2020	आरोप तर्क	294, 323, 324, 325, 506 147,148, 149/34 आईपीसी
2.	जे.एम.एफ.सी. सागर	4090/16 27/12/2016	अभियोजन साक्ष्य	353, 500, आईपीसी
3.	कार्यपालन दण्डाधिकारी रहली	38/23 430/23	विचारण	151, 107, 16 सीआरपीसी

B:- दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियाँ)	कार्यालयों और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक

प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा:-

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम और पता:- **नंदकिशोर कुर्मी ग्राम पोस्ट पटना बुजुर्ग**

तह. रहली जिला-सागर (म.प्र.) 470228

राजनैतिक दल का नाम:- **निर्दलीय**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **मध्यप्रदेश राज्य विधानसभा सामान्य निर्वाचन वर्ष 2023**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **039 रहली**

मैं **नंदकिशोर कुर्मी** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरणों में घोषणा करता हूँ।

A:- लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराओं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	जे.एम.एफ.सी. रहली	326/19 16/12/19	विचाराधीन	323,325,294,34 आईपीसी
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

B:- दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियाँ)	कार्यालयों और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक

पिछोर में भाजपा-कांग्रेस समर्थक भिड़े, केपी और प्रीतम के बीच हुआ विवाद

भोपाल, देशबन्धु। शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा क्षेत्र के करारखेड़ा गांव में भाजपा प्रत्याशी प्रीतम लोधी और कांग्रेस विधायक केपी सिंह के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। ग्रामीणों ने प्रीतम के काफिले के दर्जनभर वाहनों में तोड़फोड़ की। वहीं, प्रीतम के समर्थकों ने केपी सिंह के घर पर पथराव कर दिया। फायरिंग का भी आरोप लगाया गया है। विवाद की शुरुआत अपशब्दों के नारे लगाने को लेकर हुई।

पुलिस ने भाजपा प्रत्याशी के बेटे और समर्थक की ओर से की गई शिकायत के बाद दो एफआइआर दर्ज कर ली हैं। कांग्रेस के टिकट पर केपी सिंह पिछले छह चुनाव से जीतते हुए आ रहे हैं। पिछले दो चुनाव में उन्होंने भाजपा के प्रीतम लोधी को हराया था। इस बार केपी सिंह पिछोर के बजाए शिवपुरी से चुनाव लड़ रहे हैं। दीपावली के एक दिन पहले ही वह पिछोर पहुंचे थे। रविवार को प्रीतम अपने समर्थकों के साथ करारखेड़ा में जनसंपर्क करने के लिए पहुंचे। दोपहर करीब एक बजे प्रीतम अपने वाहन से आगे निकल गए थे। उनके पीछे चल रहे समर्थकों ने केपी सिंह के घर के सामने से गुजरते हुए नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका वीडियो भी बहुप्रसारित हो रहा हैं। इसके बाद केपी समर्थकों ने उन पर हमला बोल दिया। लोग लाठियां लेकर टूट पड़े और काफिले में चल रहीं 12-13 गाड़ियों को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया।

केपी सिंह के समर्थकों ने प्रीतम सिंह के बेटे पर पिस्टल से फायर करने और उनके घर पर पथराव करने के आरोप लगाए हैं। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान कुछ लोगों को बंधक भी बना लिया था, जिन्हें बाद में छोड़ा गया। विवाद में जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी सहित करीब 24 लोगों को चोट आई हैं। राकेश लोधी पुत्र प्रीतम सिंह लोधी की शिकायत पर मनू राजा, संतोष शर्मा उर्फ पोला, राघवेन्द्र मिश्रा उर्फ अड्डू, शिवाकांत शर्मा निवासी सुजावनी, आलोक रावत, देवेन्द्र चौहान, अंकित गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह चौहान, शिवम मिश्रा उर्फ शिवा पंडित निवासी सेमरी, रामस्वरूप लोधी निवासी करारखेड़ा, धर्मेंद्र चौहान निवासी देवगढ, निरवेंद्र ठाकुर सुनावल, भज्जू उर्फ निरेंद्र सिंह निवासी दबियाकलां व 15-20 अन्य लोगों के खिलाफ तथा रामनरेश लोधी निवासी संकट मोचन कालोनी पिछोर की शिकायत पर मनु राजा, रवि राजा, प्रिंस निवासी करारखेड़ा पिछोर सहित भीड़ के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि पूर्व में मेरा नाम ASHISH SHRIVASTAV था। वर्तमान में मेरा नाम ASHISH SHRIVASTAVA हो गया है। अब मुझे ASHISH SHRIVASTAVA के नाम से ही लिखा पढ़ा व जाना जावें।
(ASHISH SHRIVASTAVA)
178 CHOPDA KE PASS, BESIDE OF SANTOSH SAINI VRINDAWAN WARD, GOPALGANJ, SAGAR M.P. 470002

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, दमोह
E-Mail ID-eedmohb@mp.gov.in Phone No. 07812-223809

क्रमांक 213/स.अ./ दमोह /2023 दिनांक 27.10.2023

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी प्राणनाथपुरम कॉलोनी पन्ना स्थित भूखण्ड क्रमांक एल.आई.जी. B-200 श्री किशोर कुमार शर्मा पिता श्री श्याम सुंदर शर्मा को आवंटित है। श्री किशोर कुमार शर्मा पिता श्री श्याम सुंदर शर्मा ने मंडल से विक्रय विलेख दिनांक 22.06.2022 को अपने नाम पर करा लिया है। श्री किशोर कुमार शर्मा पिता श्री श्याम सुंदर शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 16.8.2022 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री मंयक शर्मा पिता श्री किशोर कुमार शर्मा ने उक्त संपत्ति अपने नाम से नामांतरण कराने हेतु प्रकरण ऑनलाईन प्रस्तुत किया है जिसमें श्री किशोर कुमार शर्मा पिता श्री श्याम सुंदर शर्मा की पत्नी श्रीमती अनीता शर्मा के द्वारा उक्त संपत्ति के नामांतरण अपने पुत्र श्री मंयक शर्मा के नाम पर होने की लिखित सहमति प्रदाय कर दी है चूंकि श्री किशोर कुमार शर्मा पिता श्री श्याम सुंदर शर्मा ने उक्त संपत्ति हेतु नॉमिनी श्री मंयक शर्मा पिता श्री किशोर कुमार शर्मा को ही किया था। यदि किसी व्यक्ति/संस्था या हित रखने वाले वैध उत्तराधिकारी को आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी व्यक्ति/ संस्था का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

आर. के. बाथम सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, दमोह

प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा:-

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम और पता:- **सूर्य प्रकाश पटेल**

ग्राम व पो. पटना बुजुर्ग तह- रहली, जिला सागर

राजनैतिक दल का नाम:- **निर्दलीय**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **039 रहली**

मैं **सूर्य प्रकाश पटेल** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरणों में घोषणा करता हूँ।

A:- लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराओं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	जे.एम.एफ.सी.	125/20 5/09/2020	आरोप तर्क	294,323, 324, 325, 506 147, 148, 149/34 आईपीसी
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

B:- दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियाँ)	कार्यालयों और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक

प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा:-

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम और पता:- **दिनेश कुर्मी ग्राम पोस्ट पटना बुजुर्ग**

तह. रहली जिला- सागर (म.प्र.) 470228

राजनैतिक दल का नाम:- **निर्दलीय**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **039 रहली**

मैं **दिनेश कुर्मी** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के संबंध में निम्नलिखित विवरणों में घोषणा करता हूँ।

A:- लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराओं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1.	जे.एम.एफ.सी. रहली	327/21	चार्ज विचरित हेतु	353,147,148, 149 आईपीसी
2.	एस.सी.एस.टी. कोर्ट सागर	253/21	साक्ष्य हेतु	147,148, 294, 323, 506 आईपीसी 3(i)द 3(1)घ 324
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

B:- दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियाँ)	कार्यालयों और लगायी गयी सजा का विवरण	लगाया गया अधिकतम दंड
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक

खरगापुर के मेला ग्राउंड में आयोजित कांग्रेस की चुनावी जनसभा में उमड़ा जनसैलाब

प्रदेश को भृष्टाचार से मुक्त कराएगी हमारी सरकारः राहुल गांधी

टीकमगढ़/बल्देवगढ़,देशबन्धु। मंगलवार को खरगापुर विधानसभा पहुंचे सांसद राहुल गांधी ने खरगापुर नगर के मेला ग्राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती चंदा रानी सुरेंद्र सिंह गौर के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस सभा में जिले की सभी सीटों के प्रत्याशी मंच पर उपस्थित रहे। चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे राहुल गांधी को देख जनता में उमंग आ गई। मंच पर पहुंचते ही पूरे ग्राउंड में राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगने लगे। राहुल गांधी को देखने के लिए जनता सीधी वेरी गेट के पास खड़ी हो गई। इस दौरान हजारों की संख्या में जनता खरगापुर मेला ग्राउंड में पहुंची थी। सर्वप्रथम सांसद राहुल गांधी का कांग्रेस प्रत्याशी चंदा रानी गौर, यादवेंद्र सिंह बुंदेला और किरण अहिरवार ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। स्वागत के बाद सांसद राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खरगपुर वासियों को किस प्रकार की सरकार चाहिए। सरकार दो तरह की सरकार होती है, एक सरकार जो सारा का सारा काम सूट बूट वालों के लिए करती है। अरबपतियों के लिए करती है और दूसरी सरकार कांग्रेस पार्टी की सरकार जो किसानों मजदूरों के लिए और छोटे व्यापारियों के लिए काम करती है। मछुआरों के लिए, युवाओं के लिए काम करती है। आप तय करें आपको किसकी सरकार चुननी है। अरबपतियों वाली सरकार चुनने से ना किसान को फायदा होगा और ना मजदूर को फायदा होगा। भाजपा की सरकार में सिर्फ भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों का 2 लाख रुपए तक का कर्ज माफ किया जाएगा। सभी लोगों को 5 सौ रुपए में घरेलू सिलेंडर दिए जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में इस समय भाजपा की नहीं, बल्कि चोरी

की सरकार है। 2018 में आप लोगों ने कांग्रेस को बहुमत दिया था। भाजपा के बड़े नेताओं ने कुछ व्यापारियों के साथ मिलकर हमारे विधायकों को चुरा लिया और प्रदेश में चोरी की सरकार बना ली। इस बार मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनानी है। पूरे मध्य प्रदेश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने का काम हमारी सरकार करेगी। सभा के दौरान खरगापुर प्रत्याशी श्रीमती चंदा रानी गौर, टीकमगढ़ प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह बुंदेला, जतारा प्रत्याशी किरण अहिरवार, कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष नवीन साहू, खरगापुर विधानसभा प्रभारी अजय यादव सहित कांग्रेस पार्टी के हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं मतदाता शामिल हुए।

पत्रकार वार्ता में भाजपा नेताओं ने दी वायदों की जानकारी

गरीब परिवारों के लिए पीएमएवाई के साथ लाएंगे मुख्यमंत्री जन आवास योजनाः वीरेन्द्र कुमार

टीकमगढ़, देशबन्धु। मंगलवार को शहर के नगर मंडल कार्यालय में भाजपा पार्टी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भाजपा पार्टी का घोषणा पत्र 'मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी' जारी हुआ। भाजपा मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल द्विवेदी व स्वप्निल तिवारी ने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार, कौशांबी सांसद विनोद सोनकर, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की सुशासन एवं कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के घोषणा पत्र में भोपाल में प्रदेश का ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के नए परिसर का निर्माण होगा। भोपाल एवं इंदौर के बाद जबलपुर और ग्वालियर जैसे महानगरों में भी कमिश्नर प्रणाली लागू करेंगे। मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है भाजपा सरकार। मध्य प्रदेश की मजबूत आधारभूत संरचना के लिए अटल ग्रह ज्योति योजना के तहत 100 में 100 यूनिट बिजली दी जाएगी। चेन्नई एक्सप्रेस वे के साथ 80 रेलवे स्टेशनों का विश्वस्तरीय आधुनिकरण किया जाएगा। जनजातीय भाई बहनों के कल्याण के लिए तेंदू पत्ता खरीदी करेंगे। 4 हजार रुपए प्रति बोरा, एचडी बहुल मंडला, खरगोन, धार, बालाघाट एवं सीधी में मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा। लाडली बहनों को आर्थिक मदद के साथ-साथ पक्का मकान भी मिलेगा। उज्जवला और लाडली बहना योजना की लाभार्थी बहनों को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर मिलेगा। किसानों के कल्याण के लिए गेहूं और धान की एमसपी पर बोनस की व्यवस्था होगी। 2700 प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीदा जाएगा और 3100 रुपए प्रति क्विंटल पर धान खरीदी जाएगी। किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण योजना के तहत 12 हजार रुपए मिलेंगे। उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा के सुरक्षित भविष्य को लेकर हर संभाग में आईआईटी की तर्ज पर मध्य प्रदेश इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी बनेगा। हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को रोजगार एवं स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। प्रवासी व कौशांबी सांसद विनोद सोनकर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जन-जन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ कराने के लिए हर लोकसभा में मेडिकल कॉलेज स्थापित करके 5 वर्षों में और 2 हजार जोड़ेंगे व प्रत्येक जिले में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करेंगे। मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले 7 वर्ष में 45 लाख करोड़ रुपए की बनाएंगे। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने के साथ ही 20 लाख करोड रुपए की निवेश लाएंगे। 5 वर्षों तक गरीब कल्याण अन्न योजना से गरीब परिवार को मुफ्त राशन, हर परिवार को घर देने के लिए पीएमएवाई के साथ ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना शुरू की जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना ने बताया कि गरीब छात्रों को 12वीं तक मुक्त शिक्षा और सरकारी स्कूलों में मिड डे मील के साथ पौष्टिक नाश्ता मिलेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांति 6 नए एक्सप्रेसवे, 80 विश्व स्तरीय स्टेशन, 2 नए हवाई अड्डे, चार महानगरों में मेट्रो और वंदे मेट्रो और वंदे स्लीपर ट्रेन चलाई जाएंगी। हर परिवार में एक व्यक्ति को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर के साथ पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों को 15 हजार तक की सहायता दी जाएगी। भाजपा की सरकार जो भी घोषणा पत्र जारी करती है, उन वादों को शत प्रतिशत पूरा किया जाएगा। भाजपा सरकार के साथ स्वस्थ्य व खुशहाल मध्य प्रदेश का सपना पूरा होगा। कार्यक्रम में सांसद डॉक्टर वीरेंद्र कुमार मंत्री भारत सरकार, सांसद विनोद सोनकर उत्तर प्रदेश, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित नूना, विवेक चतुर्वेदी, अनुराग वर्मा, प्रफुल्ल द्विवेदी, स्वप्निल तिवारी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उमा ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में की जनसभा

टीकमगढ़, देशबन्धु। मंगलवार के दिन नगर परिषद बड़ागांव धसान में मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी ने भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का जोरदार स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने टीकमगढ़ विधानसभा से राकेश गिरी को टिकट दिया है तो बीजेपी पार्टी ने यह टिकट गरीब की सेवा एवम गरीब तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम करने वाले को ही टीकमगढ़ विधानसभा से टिकट दिया है। राकेश गिरी ने विगत 5 सालों में सिर्फगरीब की सेवा की है। मैं यह मानती हूं कि टीकमगढ़ विधानसभा नहीं बल्कि टीकमगढ़ जिले की तीनों सीटों पर भाजपा की विजय होगी। इसके साथ ही विधायक राकेश गिरी ने भी सभा को संबोधित करते हुए सभी से आने वाली 17 तारीख को कमल के बटन पर वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल योजनाओं को बंद करने का काम करती है एवं भाजपा सरकार गरीबों को योजनाओं का पहुंचने का काम करती है। इसलिए आप सभी से अपील करता हूं कि आने वाली 17 तारीख को कमल के बटन पर वोट कर मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएं। इस अवसर पर टीकमगढ़ की विधानसभा क्षेत्र की सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण जनसभा को सुनने के लिए पहुंचे।

विधानसभा निर्वाचन में संलग्न सेक्टर अधिकारियों की बैठक आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा की अध्यक्षता में पॉलिटेक्निक कॉलेज में विधानसभा निर्वाचन हेतु संलग्न सेक्टर अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, समस्त सेक्टर अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि चुनाव में सेक्टर अधिकारी राजस्व व पुलिस महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिये नियमित भ्रमण करें, कार्रवाई करने में कोताई न बरतें। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान केन्द्र पर कमियां है तो उन्हें भी पूर्ण करा लें। मॉकपोल के बाद सीआरसी मशीन, बेवकास्टिंग, कैमरा, बलवाकिट आदि के बारे में विस्तार से अधिकारियों को निर्देश दिये।

दीपावली दौज पर रतनगढ़ माता मंदिर पर मेले में आवागमन हेतु ट्रेक्टर ट्राली वाहन प्रतिबंधित

टीकमगढ़, देशबन्धु। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली दौज पर रतनगढ़ माता मंदिर पर मेले का आयोजन 14 एवं 15 नवम्बर 2023 को किया जा रहा है। दतिया जिले की ओर से मंदिर तक पहुंचने वाले मुख्य मार्ग का पुल विगत वर्ष बारिश में ध्वस्त हो जाने के कारण इस वर्ष इस मार्ग से आवागमन अवरुद्ध हो गया है, फलस्वरूप श्रद्धालुओं को मंदिर तक आने के लिए मुख्य रूप से बेहट से होकर आने वाला मार्ग तथा डबरा, पिछोर जिला ग्वालियर होते हुए आने वाला मार्ग ही उपलब्ध रहेगा। इस वर्ष भीड़ नियंत्रण के लिए इन मार्गों का प्रमुख रूप से इस्तेमाल करना आवश्यक होगा। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण टीकमगढ़ जिले से भी आते हैं। इस मेले में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के तहत अगरबत्ती, ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग, नारियल एवं पॉलीथिन के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

3 व्यक्तियों के साथ लाठियों से की मारपीट

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पचगइयां के पीड़ितों के साथ तीन आरोपियों ने लाठी से मारपीट करने पर दिगौड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। फरियादी व्यक्ति सुरेन्द्र पिता बालचंद्र राजपूत उम्र 38 साल निवासी पचगइयां ने पुलिस थाना में आकर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि फरियादी व्यक्ति अपने चाचा भूरे उर्फ रामदास राजपूत व दिगौड़ा के अच्छे लाल अहिरवार का खेत बटिया पर लिए हुए है। पड़ोसी खेत वाले सुनील अहिरवार, भागीरथ अहिरवार व अंकित अहिरवार ने फरियादी व्यक्ति सहित उसके चाचा भूरे राजपूत व अच्छे लाल अहिरवार के साथ मारपीट कर दी।

पुरानी बुराई पर पड़ोसी ने महिला को पीटा

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बछोड़ा में महिला के साथ पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति द्वारा मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। फरियादी महिला हेमा अहिरवार पत्नी महेन्द्र अहिरवार उम्र 26 साल निवासी तलैया खिरक बछोड़ा ने अपने पति के साथ पुलिस थाना में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसके अनुसार महिला रात करीब 8 बजे अपने घर के बाहर खड़ी हुई थी, तभी पड़ोसी रामानंद अहिरवार आया और पुरानी बुराई पर गाली गलौज व झगड़ा करने लगा। पीड़ित महिला ने गाली देने से मना किया तो आरोपी रामानंद ने पीड़ित महिला को धक्का देकर जमीन पर पटक कर उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्र सिंह ने घर-घर किया जनसंपर्क

दिगौड़ा, देशबन्धु। पृथ्वीपुर विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्र सिंह राठौर के द्वारा मंगलवार को दिगौड़ा कस्बे में विशाल रैली निकालकर कस्बे के समस्त मोहल्ले में जाकर जनता से डोर टू डोर संपर्क किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद रही। यह रैली कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर अंबेडकर मूर्ति के पास बस स्टैंड पर पहुंची। कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्र सिंह ने नुक्कड़ सभा का आयोजन कर जनता को संबोधित किया। उसके पश्चात यह विशाल रैली कस्बा के समस्त मोहल्ले में पहुंची, जहाँ लोगों से डोर टू डोर जनसंपर्क किया गया।

विधायक राकेश गिरी ने कारी में किया जनसंपर्क

टीकमगढ़, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी ने भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद कारी में जगह-जगह सभाओं के माध्यम से लोगों को संबोधित किया। इसके साथ ही जनसंपर्क कर भाजपा के पक्ष में मतदान कर जिताने की अपील की। मंगलवार के दिन भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी ने भाजपा पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं के साथ नगर परिषद कारी के अगोर की टपरियन, कंचनपुरा, खिन्री का परिसर में जनसंपर्क कर जनता जनार्दन से भाजपा के पक्ष में आशीर्वाद मांगा और कमल के फूल पर वोट डालकर टीकमगढ़ विधानसभा में एक बार फिर कमल खिलाकर भाजपा को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाने का आग्रह किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी का जगह-जगह फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ ही कांग्रेस से नाराजगी के चलते ग्राम सुकवाहा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने विधायक राकेश गिरी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान विधायक राकेश गिरी ने सभी कार्यकर्ताओं को फूलमाला पहनाकर उनका भाजपा पार्टी में स्वागत किया तथा शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लेते हुए कहा कि इस बार हम सभी अपनी पूरी ताकत से भाजपा पार्टी को जिताएंगे और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस चाहती है हर वर्ग का चहुमुखी विकासः यादवेन्द्र सिंह

टीकमगढ़, देशबन्धु। आजादी के बाद से कांग्रेस आमजनों की समग्र विकास के लिए कृत संकल्पित रही है। गांव-गांव में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर कांग्रेस की सरकार ने आमजनों को लाभांवित किया है। कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग का चहुमुखी विकास चाहती है। यह बात टीकमगढ़ विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी यादवेन्द्र सिंह बुन्देला ने विधानसभा अंतर्गत आने वाली नगर पंचायत बड़ागांव क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लोग शांति से रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसे लोगों को सबक सीखाना जरूरी है, जिन्होंने भ्रष्टाचार को जन्म दिया है और गुण्डा तत्वों को बढ़ावा देकर उनके हौंसले बुलंद किए हैं। श्री बुन्देला ने कहा कि पिछली बार भी जो नामचीन व्यक्ति भाजपा की चुनावी कमान संभाले हुए थे वही लोग इस बार लोगों को डरा धमकाकर उनका मत छिनने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी ने बड़ागांव क्षेत्र के जमुनिया खेरा, आदिवासी मुहल्ला, लुखरयाऊ, हरिजन बस्ती, धनुषधारी मंदिर चौराहा, ढिमरौला धर्मशाला, मिथलाखेरा, दरगुवा रोड, अंतौरा में जनसंपर्क कर ग्रामीणों को दीपों के महापर्व दीपावली की शुभकामनाएं दी। श्री बुन्देला ने कहा कि यह पर्व आप सभी के जीवन में अनंत खुशहाली लेकर आए। दीपों की जगमगाहट की तरह प्रत्येक गांव में विकास का प्रकाश हो, इसलिए कांग्रेस पार्टी जरूरी है। कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी का आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सत्ता में रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहने के लिए क्या क्या कर सकती है, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। उन्होंने इस विधानसभा के तमाम उदाहरण जनता के सामने पेश किए है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आशीर्वाद देकर जनता ऐसे तत्वों को सबक सिखाए, जिन्होंने क्षेत्र में भ्रष्टाचारी असामाजिक तत्वों को संरक्षण देकर जनता पर झूठे मुकद्दमें दर्ज कराए हों। इस अवसर पर सूर्यप्रकाश मिश्रा, संजय नायक, पहाड़ी पूर्व सरपंच कुंवरलाल यादव, आशाराम यादव, राजाराम यादव, राजू यादव नीमखेरा, पूर्व जनपद अध्यक्ष दलूराम अहिरवार, नरेन्द्र यादव, गौरव शर्मा, भरत सोनी, आनंद चौबे, पार्षद पूनम जायसवाल, रामकुमार यादव, पूर्व पार्षद सुनील यादव, रिंकू भदौरा, हबीब राईन, अनीस अहमद, देवेन्द्र नापित, अरविन्द खटीक, लक्ष्मन रैकवार, छक्कीलाल कुशवाहा, रानू मिश्रा, प्रकाश अहिरवार सहित अनेक कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी उल्लेखनीय रही।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने किया रोड शो

दमोह देशबन्धु। कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन के साथ हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय से रोड शो, ढोल नगाड़ों, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के द्वारा कांग्रेस द्वारा जनहित में की गई घोषणाओं पर बोलते हुए बस स्टैंड, स्टेशन चौक, राय चौराहा, घंटाघर, उमा मिस्त्री की तलैया, बकौली चौराहा, अंबेडकर चौक होकर दुकानदारों, आम जनों से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की उस पर दुकानदारों ने भी दुकानों से निकलकर अजय टंडन का अभिवादन स्वीकार किया और अपना पूर्ण समर्थन देने की बात कही अंबेडकर चौक, कोऑपरेटिव बैंक, किल्लाई नाका, तीन गुल्ली, स्टेशन चौक से लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में रोड शो का समापन हुआ। उनके साथ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतन चंद्र जैन, पंडित मनु मिश्रा, मानक पटेल, गौरव पटेल, संजय चौरसिया, हाकम सिंह, गुड्डू तिवारी, राजेश तिवारी, तेजीराम रोहित, कमलेश उपाध्याय, रजनी ठाकुर, परम यादव, राजा राय, भूपेंद्र आजवानी, संदीप बरदिया, निधि श्रीवास्तव, पारुल टंडन, अखिल टंडन मौजूद रहे।

भगवानदास चौधरी को मिल रहा अपार समर्थन

दमोह/हटा देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में अपने पूरे शबाब पर है, प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को रिझाने हर संभव प्रयत्न किये जा रहें हैं इसी कड़ी में विधानसभा चुनाव क्षेत्र क्रमांक 57 हटा से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी भगवान दास चौधरी द्वारा अपने पक्ष में मतदान करने के लिए लगातार जनसंपर्क किया जा रहा है वहीं विधानसभा सभा में ग्रामीण एवं नगरी क्षेत्र में पार्टी का प्रचार भी प्रभावशाली चल रहा है। बता दें कि इस बार विधानसभा में एक निर्णायक समाज का समर्थक इस बार वसपा को दिया गया है जिसकारण में इस बार हटा विधानसभा सभा चुनाव त्रिकोणीय संघर्ष में नजर आ रही है, भगवानदास चौधरी का कहना है कि पिछले तीन पंचवर्षीय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने हटा विधानसभा में कोई कार्य नहीं किया है केवल यात्री प्रतीक्षालय को बनाकर अपना विकास बता रहे हैं वही कांग्रेस में जो प्रत्याशी इस बार बनाया गया है उसने पिछले दो बार के प्रत्याशी हरिशंकर चौधरी का पुतला दहन करके सामाजिक विरोध किया था।

प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

आज थम जाएगा चुनावी शोरगुल, प्रत्याशी घर-घर देंगे दस्तक

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन का चुनावी शोरगुल मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व बुधवार 15 नवम्बर की शाम 6 बजे से थम जाएगा। इस अवधि के बाद चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार या राजनैतिक दल अपने चुनावी प्रचार के लिए न तो जुलूस एवं आम सभाएं आयोजित कर सकेंगे और न ही लाउड स्पीकर का उपयोग कर सकेंगे। इन 48 घंटों के दौरान उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर ही मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक मतदान के बंद होने के ठीक पूर्व के 48 घंटों के दौरान सार्वजनिक सभाओं, लाउड स्पीकर और जुलूस पर प्रतिबंध रहेगा। इस कालावधि के दौरान उम्मीदवारों द्वारा निर्वाचन के संबंध में कोई जूलूस एवं सार्वजनिक सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी और न ही इस तरह की किसी सभा या जुलूस में वो शामिल हो सकेगा अथवा संबोधित कर सकेगा। चल चित्र यंत्र, टेलीविजन या अन्य इसी प्रकार के यंत्र या उपकरणों के माध्यम से भी निर्वाचन संबंधी मामले का जनसाधारण को प्रदर्शन इस दौरान प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतदान समाप्त होने के पूर्व के 48 घंटों के दौरान उम्मीदवारों या राजनैतिक दलों द्वारा जनसाधारण को आकर्षित करने की दृष्टि से किसी संगीत गोष्ठी, नाट्य, अभिनय या अन्य मनोरंजन आमोद प्रमोद का आयोजन करके अथवा आयोजन की व्यवस्था करके निर्वाचन संबंधी मामले का प्रचार नहीं किया जा सकेगा। आयोग ने चेतावनी भी दी है कि यदि इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और उसे दो वर्ष के कारावास या जुर्माने की अथवा दोनों की सजा से एक साथ दण्डित किया जा सकेगा।

भाजपा की मुश्किलें बढ़ी, 1993 की तरह बन सकती है स्थिती

पन्ना, देशबन्धु। जिस प्रकार विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश मे सत्ताधारी भाजपा सरकार से लोगो में भारी नाराजगी देखी जा रही है, तथा मंहगाई, भ्रष्टाचार, अत्याचार से लोग भारी परेशान है। इससे पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगो में आक्रोश का माहोल कायम है तथा इस सत्ता विरोधी लहर का असर पन्ना जिले की तीनो विधानसभा क्षेत्रो में देखने को मिल रहा है। जिले की पवई विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मंत्री मुकेश नायक तथा प्रहलाद लोधी के बीच मुकाबला हो रहा है। लेकिन जिस प्रकार का माहोल पवई विधानसभा में है, उसमे कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी मुकेश नायक की जीत निश्चित हो सकती है। क्योकि वर्तमान विधायक प्रहलाद लोधी द्वारा पांच वर्ष के कार्यकाल मे कोई विकास कार्य नही किये तथा आम जनता भारी परेशान रही। अधिकारीयों की मनमानी तथा भ्रष्टाचार, अत्याचार से लोगो मे भारी नाराजगी देखी जा रही है। भाजपा प्रत्याशी को सिर्फ जातिवाद को लेकर पिछडा वर्ग के वोटो से उम्मीद जाग रही है, लेकिन विधानसभा क्षेत्र की आम जनता इस बार फिर से भूल नही करना चाहती। प्रहलाद लोधी पैर से विकलांग होने के चलते आम लोगो से सतत संपर्क करने मे भी पीछे है। इसी प्रकार गुनौर विधानसभा क्षेत्र की बात की जाये तो यहां पर भाजपा से पूर्व विधायक राजेश वर्मा को प्रत्याशी बनाया गया है तथा कांग्रेस पार्टी से जीवन लाल सिद्धार्थ को प्रत्याशी बनाया गया है, राजेश वर्मा पूर्व में भी विधायक रहे है। उनके द्वारा विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ दलाली एवं दलालो को संरक्षण दिया गया। जिसके कारण आम जनता नाराज है तथा पिछले विधानसभा चुनाव में भी वह कांग्रेस के वर्तमान विधायक शिवदयाल बागरी से चुनाव हार गये थें। इस बार पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पक्ष मे लहर देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी से अमिता बागरी भी भाजपा को ही भारी नुकसान पहुंचा रही है, क्योकि वह भाजपा से बागी हो कर चुनाव लड रही है। इस लिए पूरे क्षेत्र में इस बार जीवन लाल सिद्धार्थ को लोग समर्थन दे सकते है तथा प्रदेश की कांग्रेस पार्टी की लहर को देखते हुए जिताने का काम करेगें। इसी प्रकार पन्ना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा से बृजेन्द्र प्रताप सिंह खनिज मंत्री प्रत्याशी बनाये गयें है तथा कांग्रेस पार्टी से भरत मिलन पान्डेय को प्रत्याशी बनाया गया है। जहां एक ओर भाजपा से बृजेन्द्र प्रताप सिंह जीतने का दावा कर रहे है, लेकिन कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भरत मिलन पान्डेय घाटी नीचे अजयगढ तहसील से तालोकात रखते है और अजयगढ तहसील सहित घाटी नीचे लगभग 160 पोलिंग बूथ है जिनमे स्थानीय प्रत्याशी भरत मिलन पान्डेय को लोगो द्वारा समर्थन देने तथा सत्ता विरोधी लहर का फायदा नजर आ रहा है। लेकिन खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह को जिला मुख्यालय सहित घाटी उपर कुछ अधिक समर्थन मिल सकता है लेकिन घाटी उपर सिर्फ 130 पोलिंग बूथ है। वर्तमान में भाजपा को लाडली बहना योजना से लाख की उम्मीद जाग रही है। लेकिन ओपीएस पेंशन के चलते कर्मचारी वर्ग कांग्रेस पार्टी के पक्ष में खुलकर समर्थन दे रहा है। इन तमाम समीकरणो को देखते हुए वर्ष 1993 की तस्वीर पन्ना जिले में दोहराई जा सकती है। बांकी भविष्य के गर्त में है। जो अभी तक आंकडे सामने आ रहे है उससे यही स्थिती स्पष्ट हो रही है।

बांदकपुर में लाखों का जुआं होता पकडा गया

दमोह देशबन्धु। जिले के हिण्डोरिया थाना अंतर्गत ग्राम बांदकपुर चौके पुलिस द्वारा ग्राम बांदकपुर में दीपावली के अवसर पर एक निजी बगीचे में ग्राम के कुछ प्रतिष्ठित लोगों को जुआं खेलते पकडने में सफलता हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जुआ खेलने पर कार्रवाई कर जुआरियों से मौके पर करीव एक लाख इकतालीस हजार रूपये जप्त किए गए हैं और लगभग आठ लोगों पर कार्रवाई के दौरान चौकी प्रभारी सहित प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव, आरक्षक कपिल तिवारी, आरक्षक प्रशांत दुबे, आरक्षक बाबू सिंह, आरक्षक महेंद्र का योगदान रहा।

किसान कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

दमोह देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इमलिया घाट में आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें राहुल सिंह अध्यक्ष म.प्र वेयरहाउसिंग कारपोरेशन, दशरथ सिंह पूर्व मंत्री म.प्र, रमन खत्री पूर्व महामंत्री के साथ अन्य पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही । इमालिया घाट मे वीरेंद्र सिंह लोधी (अध्यक्ष कांग्रेस किसान मोर्चा) ने 200 से अधिक साथियो के साथ, बलवान सिंह एवं कुशवाहा समाज के 50 से अधिक युवाओ ने कांग्रेस छोडकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली है। दमोह भाजपा प्रत्याशी जयंत मलैया और राहुल सिंह, दशरथ सिंह ने सभी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में स्वागत किया। वहीं धरमपुरा वार्ड के युवा वार्डवासियो ने भी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की ।

2 अपराधियों पर की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

दमोह देशबन्धु। जिला मजिस्ट्रेट मयंक अग्रवाल ने आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी के प्रतिवेदन पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 02 अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। उन्होंने थाना मगरौन के अनावेदक कमलेश अहिरवार पिता नन्हेंभाई अहिरवार निवासी कबीरपुर एवं थाना तेजगढ़ के अनावेदक सुरेन्द्र पिता रविचन्द्र जैन निवासी ग्राम परासई को आगामी 03 माह अर्थात 90 दिवस की कालावधि तक के लिये दिये गये निर्देशों का पालन करने हेतु पाबंद किया है।

जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण क्षेत्र में विकास आज भी कछुआ गति में

दमोह/पथरिया देशबन्धु। दमोह जिले की विधानसभा क्षेत्र पथरिया का गठन 1962 में हुआ जिसमें सबसे पहले निर्दलीय विधायक रामेश्वर,1967 कांग्रेस के.भाओं सिंह,1972 कांग्रेस गोपालदास,1977 जनता पार्टी जीवनलाल, 1980 कांग्रेस आई गोपालदास,1985 कांग्रेस श्यामलाल,1990 भाजपा मणिशंकर सुमन,1993 कांग्रेस कालूराम खटीक, 1998 भाजपा गणेशराम खटीक, 2003 भाजपा सोना बाई अहिरवार, 2008 भाजपा डा.रामकृष्ण कुसमरिया, 2013 भाजपा लखन पटेल, 2018 बसपा रामबाई सिंह है मतलब करीब 62 वर्षों में 13 विधायक क्षेत्र को मिलें जिसमें अभी तक पहला निर्दलीय उसके बाद 2018 में बसपा से वाकि भाजपा कांग्रेस से क्षेत्र में 5-5 बार विधायक चुने भाजपा को लगातार 20 वर्ष मिलें उसके बाद भी क्षेत्र में विकास कार्य की गति जो होना थी वह नही मिल पाई आज भी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं सड़क, शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार पानी की समस्याओं का सुलभ साधन नही। शासन द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजना बनाई गई करोड़ों रुपए खर्च पर हकीकत में जब नगर व ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचे तब मालूम चलता कि योजना क्या है सड़कों की बात करें तो कृषि विभाग के मंडी बोर्ड से बनी सड़कें बनने के बाद कभी मरम्मत कार्य नही हुआ जबकि 5 वर्ष की गारंटी होती है उसके अलावा लोक निर्माण विभाग की पथरिया से केरबना, जेरठ टू लेन जर्जर हालत में साढ़े चार वर्ष होने के बाद चुनाव का समय आते सुधार कार्य शुरू हो गया। स्वास्थ्य की बात करें तो लाखों की आबादी वाले क्षेत्र में 2-3 डाक्टर स्वास्थ्य केंद्र जर्जर होने के बाद भी कोई ध्यान नही सिविल अस्पताल की मांग पर कोई ध्यान नही, शिक्षा की बात करें तो पहले नवोदय विद्यालय छीनकर हटा में बन गया आज हटा विधानसभा में नवोदय विद्यालय के साथ केन्द्रीय विद्यालय भी है जबकि वर्षों से जनता केन्द्रीय विद्यालय की मांग कर रही पर कोई ध्यान नही।

पथरिया दमोह एमपीआरडीसी द्वारा सड़क तो 10 वर्षों पहले बना दी पर सुनार कोपरा पुल आज तक अधूरे पड़े हैं पिछले पंचवर्षीय में वायपास स्वीकृत हो गया उसके बाद भी अधर में लटका। जिले की 4 विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ पथरिया विधानसभा क्षेत्र है जहां ना केन्द्रीय विद्यालय,ना तकनीकी शिक्षा के लिए आईटीआई है 17 नवंबर 2017 में मुख्यमंत्री ने जिला अंत्योदय मेला में घोषणा की पथरिया बटियागढ़ में आईटीआई केन्द्र खुलेंगे पर सोचने वाली बात है कि करीब 06 वर्ष बीतने वाले हैं फिर भी नही खोलें गयें जबकि कांग्रेस सरकार में आईटीआई केंद्र संचालित था। केंद्र सरकार की मनरेगा योजना संचालित करने का उद्देश्य लोगों को अपने ग्राम में रोजगार उपलब्ध कराने का है पर ऐसा कोई ग्राम नही जहां से लोग पलायन करके बाहर नही गये हो योजना पर हजार करोड़ों रुपए खर्च हो गए फिर भी कोई सुधार नही हकीकत यह है कि कागजों पर तो लोग काम कर रहे मनरेगा पर यथार्थ में जेसीबी,कोकलेन मशीन चल रही है स्वच्छ भारत अभियान चला उसके बाद भी खुलें में शौच से मुक्त नही हो पाया पर कागजों में ओडीएफबहुत पहले हो चुका अधिकारी सब जानते हैं फिर भी कोई कार्यवाही नही फर्जीवाड़ा कितना भी बड़ा हो जाए जांच शुरू होती है और इति श्री हो जाती है परिणाम सार्थक नही निकलता। शिकायत करने वाले को संतुष्ट करने के लिए प्रयास किए जाएंगे जहां तक संभव हो पर सही का साथ नही देंगे। वही विधानसभा क्षेत्र बनें करीब 63 वर्षों के इतिहास में पहली बार भाजपा से लगातार तीसरी बार टिकट मिलने वाले पहले प्रत्याशी बनें लखन पटेल एक बार 2013 से 2018 तक क्षेत्र का नेतृत्व कर चुके वही 2018 में दूसरी बार विधानसभा चुनाव में 2205 वोट से हार मिली उसके बाद भी पार्टी ने 2023 में पुन: विश्वास जताया और भाजपा ने उम्मीदवार बनाया मतलब 2018 में जो भाजपा बसपा मैदान में थे जो वही प्रत्याशी पुन: मैदान में है सिर्फकांग्रेस ने प्रत्याशी बदला। मतदान 17 नवंबर को होना है जिसमें विधानसभा की करीब 2 लाख 32 हजार मतदाता हैं जो अपने क्षेत्र के लिए विधायक के लिए मतदान का उपयोग करेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी पर दलित समाज के युवक के साथ मारपीट करने का आरोप

दमोह देशबन्धु। विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन पर दलित समाज के लोगों ने मारपीट करने का आरोप लगाया है एवं मंगलवार को समाज के लोग बड़ी संख्या में एसपी कार्यालय और एसडीएम कार्यालय पहुंचे। जहां पर ज्ञापन देकर अजय टंडन के खिलाफकार्यवाही करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि 11 नवंबर को अजय टंडन हथना पिपरिया गांव में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। जहां गोपाल अहिरवार ने उनसे गांव की समस्याओं के बारे में बताया कि गांव में नाली तक नहीं बनी है। इस बात पर गुस्सा होकर अजय टंडन ने गोपाल अहिरवार के साथ मारपीट कर दी। समाज के अन्य लोगों का कहना है कि चुनाव चल रहे हैं। और सभी पार्टी के प्रत्याशी अपने-अपने तरीके से वोट मांग रहे हैं। जब कोई गांव पहुंचता है तो लोग अपनी बात रखते हैं। अजय टंडन विधायक रह चुके हैं इसलिए लोग उनके सामने अपनी समस्या रखते हैं, लेकिन उन्होंने दलित समाज का अपमान किया है, इसलिए वह चाहते हैं कि उनके खिलाफकार्रवाई की जाए।

आशुतोष शर्मा नियुक्त हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव

दमोह देशबन्धु। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय कमलनाथ जी ने दमोह जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री रत्नचंद जैन जी एवं दमोह कांग्रेस प्रत्याशी विधायक श्री अजय टंडन जी के अनुशंसा पर जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता आशुतोष शर्मा को प्रदेश कांग्रेस सचिव नियुक्त किया है।आशुतोष शर्मा की नियुक्ति पर समस्त कांग्रेस जनों ने बधाई दी।

प्रारूप C-1

आपराधिक प्रकरणों के सम्बंध में घोषणा:-

वर्ष 2011 की रिट याचिका सिविल सं. 536 ''पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत एवं अन्य'' में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार

अभ्यर्थी का नाम और पता:- **शैलेन्द्र कुमार जैन, बालाजी मंदिर के सामने, 376-9 ए, अम्बेडकर वार्ड सागर**

राजनैतिक दल का नाम:- **भारतीय जनता पार्टी**

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **मध्यप्रदेश राज्य विधानसभा निर्वाचन 2023**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **विधानसभा क्षेत्र सागर क्रमांक 41**

मैं **शैलेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व. मोतीलाल जैन** ''अभ्यर्थी का नाम'' उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों में घोषणा करता हूँ।

क्र.	लंबित आपराधिक मामला		आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण		
1.	न्यायालय का नाम शून्य	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा ''ए'' एवं अपराध ''अपराधो'' का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश ''शो'' की तारीख	अपराध ''अपराधो'' और अधिरोपित दण्ड का विवरण
2.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4.		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

नोट- एक प्रकरण आर्दश आचार संहिता लागू होने के बाद एक शिकायत पत्र के आधार पर थाना मोतीनगर सागर में दर्ज हुआ, जिसका प्रथम सूचना रिपोर्ट क्रमांक 1116/23, धारा 188, 171 बी, 125ए दिनांक 06.11.2023 के अनुसार दर्ज की गई, जिसकी विवेचना वर्तमान में लंबित है।

राज्य सभा के निर्वाचन या विधानसभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद् के निर्वाचन के मामले में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

फार्मेट सी-2

(राजनीतिक दलों के लिए वेबसाईट, समाचार पत्रों/ टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

दल द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों के आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फांउडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

राजनैतिक दल का नाम:- **इंडियन नेशनल कांग्रेस**

* निर्वाचन का नाम:- **विधान सभा आम निर्वाचन हटा 57**

राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम:- **मध्यप्रदेश**

1	2	3	4		5	
क्रम सं.	अभ्यर्थी का नाम	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	लंबित आपराधिक मामले		आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के विषय के संबंध में विवरण	
	प्रदीप खटीक	हटा 57	न्यायालय का नाम, मामले की सं. एवं मामलों की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराएं और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारीख	अपराध (धों) और अधिरोपित किए गए दण्ड का विवरण
1	प्रदीप खटीक	हटा 57	श्रीमती राखी देवलिया न्यायिक दंडाधिकारी दमोह 384/2013 RCT 701180/2013	IPC 143,147,149 186,353,332, 294 323, 506 B राजनैतिक	20.07.2013 म.प्र. शासन द्वारा मामला वापिस लेने के कारण माननीय न्यायालय द्वारा मामला समाप्त	नहीं
2	प्रदीप खटीक	हटा 57	श्रीमान शैलेन्द्र उईके न्यायिक दंडाधिकारी हटा RCT/ 1266/ 2015	188 IPC राजनैतिक	19.04.2018 माननीय न्यायालय द्वारा आरोप दोष मुक्त	नहीं
3	प्रदीप खटीक	हटा 57	359/2022	354, 354 क IPC राजनैतिक निर्वाचन 2022 के समय झूठी एफआईआर	पुलिस विवेचना में आरोप झूठे पाए गए जिसके पश्चात 11.07.2023 को खारिजी, 50,33/23	

* राज्य सभा के निर्वाचन और विधान सभा सदस्यों द्वारा, विधान परिषद के निर्वाचन के मामलों में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

टिप्पणी:- (i)उपयुक्त सूचना प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र के लिए राज्य-वार प्रकाशित की जायेगी।

वेतन में से कमीशन देने की बात को लेकर ड्राइवर से सुपरवाइजर सहित 3 लोगों ने की मारपीट

बीना, देशबन्धु। रिफाइनरी में कार्यरत खैरा ट्रेवल्स के बोलेरो के ड्राइवर से वेतन में से कमीशन देने से मना करने की बात को लेकर कंपनी के सुपरवाइजर सहित अन्य तीन लोगों ने ड्राइवर के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इसी के साथ घायल ने भाजपा सांसद प्रतिनिधि नवीन पालीवाल पर अपहरण कर मारपीट करने का आरोप भी लगाया है। साथ ही घायल ने पुलिस पर आरोप लगाया कि सांसद प्रतिनिधि का एफआईआर में नाम भी नहीं दर्ज किया है। सांसद प्रतिनिधि पर कार्रवाई की मांग को लेकर कर्मचारियों ने आगासौद थाना परिसर में हंगामा भी किया। घायल गोविद पिता घनश्याम कुशवाहा 27 निवासी बेलई थाना बीना ने बताया कि वह आगासौद रिफायनरी में खैरा ट्रांसपोर्ट में बोलेरो एमपी 04 जेडएल 0432 चलाता है। जब वह आगासौद गेट नंबर एक पर डीजल भरवाने आया था तभी कंपनी सुपरवाइजर अरूण कौशिक, भाजपा सांसद प्रतिनिधि उसके साथ और भी दो तीन लोग थे। वह वेतन में से कमीशन मांग रहे थे जब कमीशन देने से मना किया तो सभी लोगों ने उसके साथ लात घुसों से मारपीट कर उसे बुरी तरीके से घायल कर दिया। घायल बीना सिविल अस्पताल में भर्ती है। घायल गोविंद कुशवाहा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सांसद प्रतिनिधि ने भी उसके साथ मारपीट की है। वह भी वेतन में से कमीशन मांग रहा था। जब कमीशन देने से मना कर दिया तो उन्होंने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस को सांसद प्रतिनिधि नवीन पालीवाल पर भी एफआईआर दर्ज कराने को कहा था लेकिन पुलिस ने सांसद प्रतिनिधि को बचा लिया है।

कर्मचारियों ने आगासौद थाना परिसर में किया हंगामा

खैरा कंपनी के ड्राइवर से मारपीट के मामले में सांसद प्रतिनिधि पर कार्रवाई की मांग को लेकर कर्मचारियों ने आगासौद थाना परिसर में हंगामा किया। पुलिस प्रशासन ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया इसके बाद हंगामा समाप्त हो सका। इस मामले में सांसद प्रतिनिधि ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। आगासौद पुलिस ने खैरा ट्रेवल्स कंपनी के सुपरवाइजर अरुण कौशिक सहित अन्य तीन लोगों पर धारा 294, 323, 506 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुराने शराब तस्कर हरविंद उर्फमंझले राजा बुन्देला को पुलिस ने अवैध शराब के साथ किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। मुखबिर की सूचना पर एफएसटी टीम के साथ सोमवार रात्रि में कार्यवाही करते हुये पुराने शराब तस्कर हरविंद उर्फ मंझले राजा पिता दुरग सिंह बुंदेला उम्र 48 साल निवासी ग्राम खटोरा थाना मालथौन के घर के पिछले हिस्से की पशुओ की सार से दो सफेद बोरियो मे कुल अवैध शराब 323 पाव देशी लाल मसाला शराब मात्रा 58.140 लीटर कीमत करीब 25000 हजार रुपये की अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी हरविंद उर्फ मंझले राजा के विरूद्ध आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी वर्ष 2018 से अब तक 5 बार अवैध शराब विक्रय के संबंध में पकडा गया है वर्तमान में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस के द्वारा चप्पे-चप्पे पर चेकिंग लगाकर एवं मुखविर तंत्र को मजबूत कर अवैध शराब कारोबारियो पर नकेल कसने के लिये सख्त कार्यवाहिया की जा रही है जिससे निष्पक्ष एवं भय मुक्त विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराये जा सके।

सीमावर्ती राज्यो से अवैध शराब के आने की संभावनाओ को दृष्टिगत रखते हुये 24 घंटे हर छोटे बडे रास्ते पर सघन चेकिंग लगाई गई है जिससे बाहरी असामाजिक तत्व एवं अपराधियो पर सतत् निगाह रखी जाकर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जा सके।

एक ट्राली गोबर से 11 फिट लंबे गोवर्धन जी का निर्माण 56 भोग लगाकर किया पूजन

मकरोनिया, देशबन्धु। मंगलवार को गोवर्धन पूजा पर दीनदयाल नगर प्रभाकर स्थित श्रीराम दरबार मंदिर मे पं. केशव महाराज द्वारा एक ट्राली गाय के गोबर से 11 फीट लंबे गोवर्धन भागवत का निर्माण कर विधि विधान से पूजन हुआ पूजन के उपरांत रूपा पटेल परिवार द्वारा गोवर्धन भागवत को छपन भोग लगाकर कर गोवर्धन पूजा की। इस अवसर इंजी. महेन्द्र गोस्वामी, अभिषेक गौर, सीताराम कैप्टन, आरएन दुबे, नीरज गोस्वामी सहित बडी संख्या मे महिला मंडल उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने आरओ व नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर दिये आवश्यक निर्देश

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने सभी रिटर्निंग अधिकारी व नोडल अधिकारियों को निर्वाचन व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। उन्होनें सामग्री वितरण के दौरान ईव्हीएम के साथ दी जाने वाली सामग्रियों की जानकारी देकर कहा कि समुचित रूप से मतदान सामग्री का वितरण सुनिश्चित करायें। एएसडी को प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें। समीक्षा के दौरान पोस्टल बेलट, ईव्हीएम, व्हीव्हीपेट, बस रूट, कानून व्यवस्था, मॉकपोल, मतदान प्रक्रिया आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इसके पूर्व उन्होनें कहा कि सामग्री वितरण के दौरान मतदान दलों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसलिए सामग्री वितरण स्थल पर प्रॉपर साइनेज रहें। ताकि मतदान कर्मियों को पता चले कि किसे कहां जाना है। इस दौरान रिजर्व दल, डिकोडिंग, फोटोग्राफर व वीडियोग्राफर की व्यवस्था रहे। साथ ही कहा कि हर सेक्टर ऑफिसर के साथ एक डॉक्टर रहे। हर बूथ पर आशा कार्यकर्ता मेडिकल किट के साथ रहे। इतना ही नहीं सामग्री वितरण व वापसी स्थल परिसर पर मेडिकल फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिये। निर्वाचन व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा के दौरान उन्होनें कहा कि मतदान दल को लाने व ले जाने के लिये रूट अनुसार बसों की समुचित व्यवस्था रहे। मतदान के दौरान वेबकास्टिंग की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिये गये। प्रचार समाप्ति के तुरंत बाद चिन्हित वरनरेबल तथा क्रिटिकल क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करें, मतदान केन्द्र के 100 मीटर के अंदर किसी प्रकार का प्रचार सामग्री न रहे। शिकायतों के निराकरण के लिये सभी अधिकारी तत्पर रहें। साथ ही कम्यूनिकेशन प्लान को सशक्त रखें। मतदान के उपरांत 17 तारीख की देर शाम से मतदान सामग्री जमा करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई एवं आवश्यक संदेश दिए।

आज शाम 6 बजे से थम जायेगा चुनावी शोर गुल केवल घर-घर दी जा सकेगी दस्तक

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन का चुनावी शोर गुल मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व आज बुधवार 15 नवम्बर की शाम 6 बजे से थम जायेगा। इस अवधि के बाद चुनाव लड रहे उम्मीदवार या राजनैतिक दल अपने चुनावी प्रचार के लिए न तो जुलूस एवं आम सभायें आयोजित कर सकेंगे और न ही लाउड स्पीकर का उपयोग कर सकेंगे। इन 48 घंटों के दौरान उम्मीदवार केवल घर-घर जाकर ही मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। इस कालावधि के दौरान उम्मीदवारों द्वारा निर्वाचन के संबंध में कोई जूलूस एवं सार्वजनिक सभा आयोजित नहीं की जा सकेगी और न ही इस तरह की किसी सभा या जुलूस में वो शामिल हो सकेगा अथवा संबोधित कर सकेगा। चल चित्र यंत्र टेलीविजन या अन्य इसी प्रकार के यंत्र या उपकरणों के माध्यम से भी निर्वाचन संबंधी मामले का जनसाधारण को प्रदर्शन इस दौरान प्रतिबंधित रहेगा। आयोग ने चेतावनी भी दी है कि यदि इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जायेगी और उसे दो वर्ष के कारावास या जुर्माने की अथवा दोनों की सजा से एक साथ दण्डित किया जा सकेगा।

चुनाव प्रचार में लगे दो कर्मचारियों की सेवाएं हुई समाप्त

सागर, देशबन्धु। सागर जिले में विधानसभा चुनाव के दौरान दल विशेष के लिए काम करने वाले शासकीय सेवकों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। जिसके तहत मंगलवार को रहली के सहकारिता विभाग के दो कर्मचारियों को बर्खास्त करने के निर्देश जारी हुए हैं। अब तक सात शासकीय कर्मियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। रहली विस क्षेत्र में अचलपुर के शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता अरविंद सिंह एवं सहायक समिति प्रबंधक छिरारी विजय जैन के खिलाफ दल विशेष का प्रचार करने की शिकायत की गई थी। अधिकृत जानकारी के अनुसार रहली रिटर्निंग ऑफीसर से प्राप्त प्रतिवेदन के बाद शिकायत प्रमाणित पाए जाने पर श्री सिंह और श्री जैन दोनों को बर्खास्त करने का नोटिस सहकारिता उपायुक्त द्वारा मंगलवार को जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी नगर निगम के दो कर्मचारियों सहित पांच शासकीय कर्मियों के खिलाफ शिकायतें हुई थीं। जिस पर आयोग के निर्देश के तहत कार्रवाई की गई है।

गौर जयंती पर प्रवाह संस्था का विराट कवि सम्मेलन व मुशायरा

मकरोनिया, देशबन्धु। साहित्यिक सांस्कृतिक सामाजिक, कला गतिविधि मंच प्रवाह की बैठक सम्पन्न हुई। संस्था द्वारा प्रतिवर्षानुसार डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती पर विराट कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन मकरोनिया में 26 नवंबर को किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष संतोष रोहित मित्र ने बताया कि कार्यक्रम में सुविख्यात कवि डॉ. हरिओम पंवार मेरठ, अज्म शाकिरी ऐटा, डॉ. नुसरत मेहदी निदेशक मप्र उर्दू अकादमी भोपाल, सोनरूपा विशाल बदायूं, स्वयं श्रीवास्तव दिल्ली, संतोष सागर विदिशा आदर्श दुबे सागर सहित अन्य स्थानीय कवि शायर काव्य पाठ करेंगे। कार्यक्रम में हर साल की तरह एक समाजसेवी व एक साहित्यकार को उनके योगदान व उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. मनीष मिश्रा, कोषाध्यक्ष देवेश नीखरा, सहसचिव तीरथ सिंह, राजेश गौतम, नवल राबर्ट्स, मनोज जैन, बुंदेल सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने बलवा करने वाले सात आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब, जुआ, सट्टा, अवैध हथियार, फरार सभी आरोपियों की धरपकड़ हेतु आदेशित किया गया था इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना एवं अनुविभागीय अधिकारी बीना के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी बीना भरत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में थाना बीना के अपराध क्र. 798/23 धारा 147, 148, 149, 294, 323, 324, 327, 427, 506, ताहि 3(1)(द), 3(1) (ध), 3(2) (अं) एससीएसटी एक्ट के फरार आरोपी हेमंत दुबे पिता चंद्रकांत दुबे उम्र 29 वर्ष निवासी भीमवार्ड, केतन पथरोल पिता दयाराम पथरोल उम्र 35 वर्ष निवासी भीमवार्ड, भूपेंद्र करोसिया पिता रमेश करोसिया उम्र 32 वर्ष निवासी गुप्ता गार्डन, सत्यम शर्मा पिता अमरनाथ शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी गणेश वार्ड, अरबिंद राय पिता ओमप्रकाश राय उम्र 29 वर्ष निवासी भीमवार्ड, संतोष उर्फ सोनू रैकवार पिता खेमचंद रैकवार उम्र 29 वर्ष निवासी भीमवार्ड, गौरव रैकवार पिता संतोष रैकवार उम्र 23 वर्ष निवासी भीमवार्ड थाना बीना को 14 नवम्बर 23 को कस्बा बीना से गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय सागर पेश किया, न्यायालय द्वारा आरोपियों को जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी छोटी बजरिया रामदीन सिंह, सौरभ रैकवार, लोकेन्द्र यादव, मुकुल शुक्ला, यशवंत राजपूत सिंह, दिलीप पटेल, सचिन यादव की भूमिका रही।

आज शाम 6 बजे से मतदान की समाप्ति तक बंद रहेंगी शराब दुकानें

सागर, देशबन्धु। विधानसभा का निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर दीपक आर्य ने आज एक आदेश जारी कर मतदान समाप्ति के नियत समय के 48 घण्टे पूर्व की अवधि से मतदान समाप्ति की अवधि तक तथा मतगणना दिवस पर सम्पूर्ण जिले की राजस्व सीमा में शुष्क दिवस घोषित किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 ग के प्रावधानों के तहत जारी किये गये इस आदेश के मुताबिक जिले की राजस्व सीमा में मतदान समाप्ति के नियत समय के 48 घण्टे पूर्व अर्थात 15 नवंबर की शाम 6 बजे से मतदान की समाप्ति अर्थात 17 नवंबर की शाम 6 बजे तक शुष्क दिवस रहेगा। इसी प्रकार 3 दिसम्बर को मतगणना के दिन को भी शुष्क दिवस घोषित किया गया है। शुष्क दिवस की अवधि में जिले की सभी मदिरा दुकानों, एम्बी वाईन आउटलेट का विक्रय, परिवहन अथवा प्रदाय को पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। आदेश के अनुसार जिले के सभी मतदान क्षेत्र में किसी भी होटल, आहार गृह, क्लब, मधुशाला में अथवा अन्य किसी सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्प्रिटयुक्त, मादक लिकर या वैसी ही प्रकृति के अन्य पदार्थ का भी विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन भी प्रतिबन्धित रहेगा।

शत प्रतिशत मतदान के लिए युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता तैयार : यश अग्रवाल

सागर, देशबन्धु। भाजयुमो ने भाजपा प्रत्याशी एवं विधायक शैलेंद्र जैन के समर्थन में वाहन रैली निकाली। वाहन रैली स्वीडिश मिशन स्कूल से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए बड़ा बाजार स्थित रामबाग मंदिर पहुंची। जहां रैली का समापन हुआ। जगह-जगह लोगों ने वाहन रैली पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। वाहन रैली संयोजक एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष यश अग्रवाल ने कहा कि भाजयुमो का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने के लिए पूरे प्राण प्रण से जुटा हैं। प्रत्येक बूथ पर भाजयुमो का कार्यकर्ता एक सिपाही की तरह मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है एवं जन-जन तक पहुंचकर भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह कर रहा है। हम सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर यह संकल्प लिया है के प्रत्येक बूथ पर शत प्रतिशत मतदान कराके जीत में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। मंडल अध्यक्ष विकास केसरवानी, निखिल अहिरवार, राहुल वैध ने बाहन रैली में शामिल हुए सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं एवं नगर वासियों का आभार व्यक्त किया।

चाचा नेहरू की जयंती बच्चों के बीच मनायी सेवादल परिवार ने

सागर, देशबन्धु। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर सेवादल परिवार ने उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किए। सेवादल परिवार गुरूगोविंद सिंह वार्ड में छोटे-छोटे बच्चों के बीच पहुंच कर उन्हें चाकलेट, बिस्किट, नमकीन और खिलौने बांटकर बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का स्मरण किया। इस दौरान मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित दुबे रामजी ने कहा पं. नेहरू आधुनिक भारत के निर्माता थे, उनके कार्यकाल में सामुदायिक विकास, कृषि उद्योग के क्षेत्र में देश का चहुंमुखी विकास हुआ, पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से उन्होनें देश में औधोगिक विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि सुधार के लिए सिंचाई व बिजली के लिए वृहद बहुउद्देशीय परियोजना प्रारंभ की। शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे ने कहा कि पं. नेहरू ने देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाई। उन्होने कार्यकत्ताओं से पं. नेहरू के आदर्शो को जीवन में आत्मसाध करने को कहा। इस अवसर पर ग्रामीण सेवादल अध्यक्ष महेश जाटव, आनंद हेला, राजेश उपाध्याय, लल्ला यादव, रंजन यादव, सुरेश जाटव, श्रीकांत पटेल, सीनू वाल्मीकि, अंकुर यादव आदि बड़ी संख्या में सेवादल परिवार जन उपस्थित रहे।

2 आरोपियों को छः माह के लिये जिला बदर किया

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा चलाये जा रहे गुण्डा एवं निगरानी बदमाशों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु अभियान के तहत गुण्डा बदमाश अनावेदक रवि पिता स्व. उत्तम अहिरवार उम्र 22 साल निवासी ग्राम नई बस्ती जरुवाखेडा जिला सागर द्वारा वर्ष 2017 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होकर, मारपीट, गुण्डागर्दी, महिला संबधी जैसे कुल 7 अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय विचाराधीन है एवं अनावेदक अमरसिह पिता फूल सिंह यादव 25 साल निवासी ग्राम जरुवाखेडा जिला सागर जिला सागर द्वारा वर्ष 2017 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होकर, मारपीट, गुण्डागर्दी, हरिजन लोगों के साथ मारपीट जैसे कुल 5 अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय विचाराधीन है जिसका जिला बदर प्रकरण तैयार कर कलेक्टर दीपक आर्य के यहां भेजा गया था। जिसे कलेक्टर द्वारा अनावेदक के विरूद्ध मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3, 5 के तहत सीमा दमोह, छतरपुर, रायसेन, नरसिंहपुर, विदिशा, अशोकनगर एवं टीकमगढ़ की राजस्व सीमाओं से बाहर करने हेतु छह माह के लिये जिला बदर किया है अनावेदकों को जिला बदर आदेश तामील कर सागर जिले के सीमाओं से बाहर थाना नाराहट जिला ललितपुर उप्र में छोडा गया है।

सभी राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी चुनाव आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन कर निर्वाचन में सहयोग करें : आर्य

सागर, देशबन्धु। सभी राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन कर निर्वाचन में सहयोग करें। उक्त निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने राजनीतिक दलों की प्रतिनिधियों के बैठक में दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी भव्या त्रिपाठी सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में बताया कि एक अभ्यर्थी को तीन वाहन की अनुमति होगी। जिसमें एक स्वयं के लिए दूसरा इलेक्शन एजेण्ट के लिए व तीसरा कार्यकर्ता, समर्थकों के लिए होगा। अनुमति नाम से जारी की जायेगी यदि मतदान दिवस को अभ्यर्थी या उसका अभिकर्ता निर्वाचन क्षेत्र में नहीं है तो उस वाहन का अन्य द्वारा उपयोग नहीं किया जायेगा। वाहन में 14 यात्रियों के परिवहन की अनुमति होगी। इन वाहनों से मतदाताओं का परिवहन अपराध होगा। वाहन में अवैध सामग्री का परिवहन नहीं किया जा सकेगा। सामग्री वितरण प्राप्ति स्थल पर निगरानी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसी भी अनाधिकृत प्रवेश को रोका जा सके। वितरण केन्द्र पर जो व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पूछताछ, हेल्प डिक्स वितरण काउण्टर, मांग आधारित ट्रेनिंग काउण्टर, विकल काउण्टर, पुलिस फोर्स ट्रेनिंग काउण्टर, रिजर्व सामग्री काउण्टर, पीबी हेतु फेसिलीटेशन सेण्टर, मेडिकल एड केम्प, सायनेज, वॉशरूम टायलेट रिफ्रेशमेण्ट एरिया, हेल्प लाईन नम्बर का प्रदर्शन, पीए सिस्टम जनरेटर सेट वाहन पार्किंग आदि शामिल है। इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम हेतु ईवीएम का परिवहन भंडारण, सुरक्षा, वीडियोग्राफी अभ्यर्थियों को सूचना देने का कार्य होगा। निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा इलेक्शन बूथ अस्थायी कार्यालय स्थापित किया जाता हैं। इस सबंध मे आयोग द्वारा कड़ाई से पालन हेतु निर्देश जारी किए गये हैं। मतदान केन्द्र से 200 मीटर परिधि में कोई अस्थायी कार्यालय नही खोला जाएगा। यदि एक लोकेशन पर एकाधिक मतदान केन्द्र है तो उन सबके लिए एक ही बूथ स्थापित किया जायेगा छाता या छोटा टेंट 10 वाय 10 फिट का, दो कुर्सी, एक टेबल की अनुमति होगी। बूथ स्थापना के इच्छुक उम्मीदवार को लिखित रूप में और अग्रिम रूप से आरओ को उन मतदान केन्द्रो के नाम एवं क्रम संख्या की जानकारी देना होगी, जहां ऐसे बूथ स्थापित किए जाने है। बूथ स्थापना से पूर्व स्थानीय निकाय या ग्राम पंचायत से स्थानीय कानूनों के अधीन अनुमती लेनी होगी और बूथ पर नियुक्त व्यक्ति के पास अनुमति उपलब्ध रहना चाहिये। ऐसे बूथ का प्रयोजन केवल मतदाता पहचान की अशासकीय पर्ची बॉटने का होगा। उक्त पर्ची सादे कागज पर होगी और उस पर अभ्यर्थी पार्टी का नाम या प्रतीक नही होगा। यहां भीड़ जमा नहीं होने दी जायेगी तथा जिन्होंने मत दे दिया हैं वो यहां नही आएंगे बूथ पर नियुक्त व्यक्ति मतदान प्रक्रिया में कोई व्यवधान पैदा नहीं करेगा। मतदाता को किसी प्रकार से प्रभावित नही करेगा नही किसी मतदाता से मत देने या न देने सम्बंधी बात करेगा। उपरोक्त निर्देशों के उल्लंघन की दशा मे बूथ हटा दिया जायेगा तथा आरोपी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।